This is a digitally signed Gazette, to verify click here.
http://rajpatrahimachal.nic.in

राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शुक्रवार, 23 अगस्त, 2019 / 01 भाद्रपद, 1941

हिमाचल प्रदेश सरकार

मत्स्य पालन विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 23 जुलाई, 2019

संख्या फिश–ए(3)–2 / 2015–II.––हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1976 (1976 का अधिनियम संख्यांक 16) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस विभाग की अधिसूचना संख्या फिश–ए–(3)–1 / 77, तारीख 15 नवम्बर, 1979 द्वारा अधिसूचित और तारीख

16 फरवरी, 1980 को राजपत्र (असाधारण), हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित हिमााचल प्रदेश फिशरीज रूल्ज़, 1979 का निरसन करते हुए हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र नियम, 2019 बनाने का प्रस्ताव करते हैं और इन्हें राजपत्र (ई–गजट), हिमाचल प्रदेश में जन–साधारण की सूचना के लिए एतद् द्वारा प्रकाशित किया जाता है;

इन नियमों से सम्भाव्य प्रभावित होने वाला कोई व्यक्ति, यदि, उक्त नियमों की बाबत कोई आक्षेप करना चाहता है या सुझाव देना चाहता है तो वह निदेशक–एवं–प्रारक्षी मत्स्य, हिमाचल प्रदेश, बिलासपुर–174001 को इनके राजपत्र (ई–गजट) हिमाचल प्रदेश में प्रकाशन की तारीख से तीस दिन की अवधि के भीतर भेज सकेगा;

उपर्युक्त नियत अवधि के भीतर प्राप्त हुए आक्षेप (पों) या सुझाव(वों), यदि कोई है / हों, पर सरकार द्वारा इन नियमों को अन्तिम रूप देने से पूर्व विचार किया जाएगा, अर्थात्:––

प्रारूप नियम

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.––**(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मत्स्य नियम, 2019 है।

(2) ये तत्काल प्रभाव से प्रवृत्त होंगे।

2. **परिभाषाएं.––**इन नियमों में, जब तक कि सन्दर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,––

(क) "अधिनियम" से, हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1976 (1976 का अधिनियम संख्यांक 16) अभिप्रेत है;

(ख) "बीट" से नियमों के अधीन मत्स्यपालन के लिए सीमांकित क्षेत्र अभिप्रेत है;

(ग) "निदेशक" से, निदेशक एवं प्रारक्षी मत्स्य, हिमाचल प्रदेश या राज्य सरकार द्वारा इस निमित प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति अभिप्रेत है;

(घ) "साधारण जल क्षेत्र" से नदियों या जल धाराओं के वे क्षेत्र होंगे जो ट्राऊट जल क्षेत्र नहीं है और जो नियम 3 (क) में परिभाषित किए गए हैं;

(ङ) "अवतरण केन्द्र" से, निदेशक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा नियत वह स्थान अभिप्रेत है जहां पकड़ी गई सभी मछलियां एकत्रित की जाएंगी;

(च) ''अनुज्ञप्ति'' से, इन नियमों के अधीन प्रदत्त की गई अनुज्ञप्ति अभिप्रेत है;

(छ) "व्यक्ति" के अन्तर्गत मछुआरों की एक सहकारी सोसाइटी भी इसमें सम्मिलित होंगी;

(ज) "अनुसूची" से, इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;

(झ) "ट्राऊट जल क्षेत्र" से, नदियों और जलधाराओं के वे क्षेत्र होंगे जहां नियम 3 (ख) के अधीन यथापरिभाषित ट्राऊट मछली विकसित की जा रही है;

(ञ) "वर्ष" से, वित्तीय वर्ष अभिप्रेत होगा; और

(ट) "राज्य" से, हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत है;

3. जल क्षेत्र का निजी जल क्षेत्र न होने की घोषणा जिसके लिए समस्त या कोई नियम लागू होंगे / होगा.––निम्नलिखित जल स्त्रोतों को एतद् द्वारा निजी जल क्षेत्र न होना घोषित किया जाना है जिनके लिए समस्त या कोई नियम उनके क्रमिक उपबन्धों के अनुसार लागू होंगे,

(क) साधारण जल क्षेत्र :

(I) ट्राऊट जल क्षेत्रों को अपवर्जित करके मारकण्डा और रूण जलधाराओं सहित यमुना नदी और इसकी सहायक नदियां ।

(II) ट्राऊट जल क्षेत्रों को अपवर्जित करके सतलुज नदी और इसकी सहायक नदियां

(III) ट्राऊट जल क्षेत्रों को अपवर्जित करके रावी नदी और इसकी सहायक नदियां

(IV) ट्राऊट जल क्षेत्रों को अपवर्जित करके ब्यास नदी और इसकी सहायक नदियां

(V) ट्राऊट जल क्षेत्रों को अपवर्जित करके चिनाब नदी और इसकी सहायक नदियां

(VI) सरकार के स्वामित्वाधीन समस्त झीलें / तालाब

(VII) सुन्दरनगर में संतुलित जलाशय (बैलंसिग रेजॅरवायर) और संतुलित जलाशय (बैलंसिग रेजॅवायर) को पोषित करने वाली नहर ।

(ख) ट्राऊट जल क्षेत्र :

(I) शिमला जिला में, यमुना नदी जलागम में, गांव महला से गांव हाटकोटी तक पब्बर नदी

(II) ब्यास नदी और इसकी सहायक नदियां कुल्लू जिला में सरवरी नाला जलाधारा सहित इसके स्त्रोत से सरवरी नाला के साथ इसके संगम तक।

(III) कुल्लू जिला में पार्वती और गड़सा नदियां और इनकी सहायक नदियां

(IV) कुल्लू जिला में सैंज नदी और इसकी सहायक नदियां

(V) कुल्लू और मण्डी जिला में ब्यास नदी के साथ इसके संगम के ऊपर तीर्थन नदी और इसकी सहायक नदियां।

(VI) बरोट में संतुलित जलाशय (बेलैंसिग रेजॅरवायर) और पोषित जलमार्गों सहित मण्डी और कांगड़ा जिला में ऊहल नदी और इसकी सहायक नदियां ।

(VII) चम्बा जिला में चाकोली पुल के नालों पर सम्पूर्ण भण्डाल नाला और इसके सहायक नाले

(VIII) किन्नौर जिला में सतलुज नदी में बास्पा नदी, भाबा नाले और चिस्सो धाराएं

(IX) कांगड़ा जिला में मैंझा पुल के नालों पर न्यूगल नाला और इसके सहायक नाले तथा टिक्कर डोली में सस्पेंशन पुल के नाले पर बनेर खड्ड का दस किलोमीटर का विस्तार क्षेत्र।

(X) कुल्लू जिला में सतलुज नदी प्रणाली में कुर्पण धारा और इसकी सहायक धाराएं

(ग) जलाशय :

(I) गोबिंद सागर जलाशयः

हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर और ऊना जिलों में 1680 आर.एल. के स्तर तक भाखड़ा डैम (बांध) द्वारा बना हुआ अवरूद्ध जलागार और इसे निम्नानुसार आठ बीटों में विभाजित किया जाएगा,––

बीट नम्बर 1. कुन्खर खड्ड में जलाशय के प्रारम्भ से दाहिने किनारे पर रायपुर गांव तक और बाएं किनारे पर शरात गांव तक ।

बीट नम्बर 2. दाहिने किनारे पर रायपुर गांव और बाएं किनारे पर शरात गांव से बाएं किनारे पर भाखड़ा गांव और दाएं किनारे पर ब्रामणी गांव तक।

बीट नम्बर 3. बाएं किनारे पर भाखड़ा गांव और दाएं किनारे पर ब्रामणी गांव से बाएं किनारे पर नकराणा गांव और दाएं किनारे पर चारानाडू गांव तक।

बीट नम्बर 4. बाएं किनारे पर नकराणा गांव और दाएं किनारे पर चारानाडू गांव से दाएं किनारे पर गांव सेरी और बाएं किनारे पर गांव बडोह से परे सीर खड्ड में जलाशय के फैलाव को अपवर्जित करते हुए, बाएं किनारे पर ओसल गांव तथा दाएं किनारे पर ननसार गांव तक।

बीट नम्बर 5. सीर खड्ड में जलाशय के प्रारम्भ से बाएं किनारे पर सेरी गांव और दाएं किनारे पर बडोह गांव तक ।

बीट नम्बर 6. बाएं किनारे पर ओसल गांव और दाएं किनारे पर ननसार गांव से गम्भर और गम्भरोला खड्ड में जलाशय के फैलाव सहित बाएं किनारे पर नाला–का–नौण तथा दाएं किनारे पर गांव कसनौर तक।

बीट नम्बर 7. बाएं किनारे पर नाला–का–नौण तथा दाएं किनारे पर कसनौर गांव से अली खड्ड में जलाशय के फैलाव सहित दाएं किनारे पर गांव कुन्गर–हट्टी गांव तक ।

बीट नम्बर 8. बाएं किनारे पर कुन्गर–हट्टी गांव और दाएं किनारे पर बेरी दडोलां गांव से अलसाड खड्ड में जलाशय के फैलाव सहित सतलुज नदी में जलाशय के प्रारम्भ तक ।

(II) पौंग जलाशय :

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिला में 1410 आर.एल. के स्तर तक पौंग डैम द्वारा बना हुआ अवरूद्ध जलागार और इसे निम्नानुसार नौ बीटों में विभाजित किया जाएगा,–

बीट नम्बर 1. घमरूर में डैम (बांध) के प्रारम्भ से और दाएं किनारे पर चालवाड़ा गांव से बाएं किनारे पर गांव रैल और दाएं किनारे पर गांव हड़सर तक ।

बीट नम्बर 2. बाएं किनारे से गांव बाड़ी किआनपुर और दाएं किनारे पर चालवाड़ा गांव से बाएं किनारे पर गांव रैल और दाएं किनारे पर हड़सर गांव तक ।

बीट नम्बर 3. बाएं किनारे पर गांव रैल और दाएं किनारे पर गांव हड़सर से बाएं किनारे पर गांव ओगरहाला और दाएं किनारे पर जरोट गांव तक ।

बीट नम्बर 4. बाएं किनारे से गांव ओगरहाला और दाएं किनारे पर गांव जरोट से बाएं किनारे पर गांव रोड़ीकोरी और दाएं किनारे पर नन्दपुर बंगोली गांव तक ।

बीट नम्बर 5. बाएं किनारे पर गांव रोड़ीकोरी और दाएं किनारे पर गांव नन्दपुर बंगोली से बाएं किनारे पर गांव **जम्बाल** और दाएं किनारे पर कोहली–बाल्टा तथा खैरें गांव तक ।

बीट नम्बर 6. बाएं किनारे पर गांव **जम्बाल** और दाएं किनारे पर गांव कोहली–बाल्टा तथा **खैरें** से बाएं किनारे पर गांव बस्सी और दाएं किनारे पर गांव बाड़ी तक ।

बीट नम्बर 7. बाएं किनारे पर गांव बस्सी और दाएं किनारे पर गांव बाड़ी से दोनो किनारों पर देहरा पुल तक।

बीट नम्बर 8. दोनो किनारों पर देहरा पुल से दोनो किनारों पर चम्बा पत्तन पुल तक

बीट नम्बर 9. सथाना संतुलित जलाशय (बेलैंसिग रेजॅरवायर):

जिला कांगड़ा में पौंगडैम के नीचे ब्यास नदी के आर–पार शाह नहर बाराज के परिणामस्वरूप अवरूद्ध जलागार गांव महाल भनाथ से आरम्भ होते हुए बाएं किनारे पर गांव महाल बेली तक और गांव मोहाल बलहुन से दायें किनारे गांव महाल बरार तक।

(III) पण्डोह जलाशय :

मण्डी जिला में आर.एल. 2940 के स्तर तक ब्यास नदी पर पंडोह डैम द्वारा बना हुआ अवरूद्ध जलागार ।

(IV) चमेरा जलाशय :

हिमाचल प्रदेश के जिला चम्बा में 763.16 एम के स्तर तक चमेरा डैम द्वारा बना हुआ अवरूद्व जलागार और इसे निम्न तीन बीटों में विभाजित किया जाएगा,––

बीट नम्बर 1. रावी नदी के दाएं किनारे पर गांव राजपुर (शालीमार) और बायें किनारे पर गांव उदयपुर खास से दायें किनारे पर गांव मनोट और बायें किनारे पर गांव धरमाड़ी तक।

बीट नम्बर 2. स्यिूल नदी के दायें किनारे पर गांव दुदुन (घराट नाला) से बायें किनारे पर गांव कांदला तक और दाएं किनारे पर गांव धपयारा बरगाल से बाएं किनारे पर गांव ऊकाल (पलाई) तक ।

बीट नम्बर 3. स्यिूल नदी के दायें किनारे पर गांव धपयारा बरगाल से बाएं किनारे पर गांव ऊकाल (पलाई) तक और रावी नदी के दाएं किनारे पर गांव मनोट से रावी नदी के बाएं किनारे पर गांव धरमाड़ी तक ।

(V) रंजीत सागर जलाशय :

हिमाचाल प्रदेश के चम्बा जिला में आने वाले क्षेत्र में रंजीत सागर (थीन डैम) द्वारा बना हुआ अवरूद्ध जलाशय और इसे निम्नानुसार एक बीट में विभाजित किया जाएगा,–

बीट नम्बर 1. राजस्व गांव चोंका से खेरी, लहरी, संधारा, सिहारू, चुहान और बीहनु तक

(VI) **कोलडैम जलाशय :**

हिमाचल प्रदेश के जिला बिलासपुर, शिमला, सोलन और मण्डी में आने वाले क्षेत्र में 646 एम के स्तर तक कोल डैम द्वारा बना हुआ अवरूद्ध जलाशय और इसे तीन बीटों में विभाजित किया जाएगा,––

बीट नम्बर 1. जलाशय के बाएं किनारे पर गांव चम्याण और जलाशय के दाएं किनारे पर गांव क्यान से दाएं किनारे पर गांव पड़यार और दाएं किनारे पर गांव आहन तक।

बीट नम्बर 2. जलाशय के बाएं किनारे पर गांव पड़यार और दाएं किनारे पर गांव आहन से बाएं किनारे पर गांव अणु और दाएं किनारे पर गांव करंगल तक।

बीट नम्बर 3. जलाशय के बाएं किनारे पर गांव अणु और दाएं किनारे पर गांव करंगल से बाएं किनारे पर गांव मकरछा और दाएं किनारे पर गांव शाकरा तक।

4. मछली पकड़ने की विधि और उसके उपयोग की पद्धति.––इन नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी और नियम 5 और 6 के उपबन्धों के अध्यधीन निजी जल क्षेत्र घोषित न किए जाने वाले जल क्षेत्र में मछली पकड़ने के लिए अनुज्ञात मछली पकडने की विधि अनुसूची के स्तम्भ 3 के अनुसार होगी। परन्तु वास्तविक मछुआरों, जो साधारण मछली पकड़ने के अनुज्ञप्ति धारक हों, को केवल स्थानीय रूढ़ियों और उनके प्रोद्भूत रूढ़िजनय अधिकारों के आधार पर चिप्स और बरपाय द्वारा मछली पकड़ना अनुज्ञात किया जाएगा ।

5. मछलियां पकड़ने के लिए अनुज्ञप्तियां प्रदान करना, और उसके लिए संदेय फीस.––(1) कोई भी व्यक्ति किसी अनुज्ञप्ति के सिवाय किसी जल क्षेत्र को निजी जल क्षेत्र घोषित किए बिना, मछलियां नहीं पकड़ेगा।

(2) मछलियां पकड़ने के लिए अनुज्ञप्ति निदेशक या इन नियमों के अध्यधीन इस निमित उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा जारी की जाएगी और इस प्रकार जारी की गई अनुज्ञप्ति केवल इन नियमों और इन नियमों में विहित शर्तों के परिपूर्ण करने के अध्यधीन विधि मान्य होगी।

(3) अनुज्ञप्ति इन नियमों से संलग्न प्रारूप संख्या एफ.एस.एच–I पर जारी की जाएगी।

(4) अनुज्ञप्ति केवल अनुसूची के स्तम्भ 5 के अनुसार फीस के संदाय की प्राप्ति पर जारी की जाएगी। रॉयलटी फीस की रकम निदेशक द्वारा अधिकाषित प्रक्रिया के अनुसार अग्रिम में संदेय होगी।

(5) यदि इन नियमों के अधीन प्रदत्त की गई अनुज्ञप्ति गुम या नष्ट हो जाती है तो द्विप्रतीक अनुज्ञप्ति 10 / – रुपये के संदाय पर जारी की जाएगी।

6. अनुज्ञप्ति जारी करने के लिए शर्तें.––मछली पकड़ने के लिए अनुज्ञप्ति निम्नलिखित शर्तों के अधीन जारी की जाएगी, अर्थातः––

(क) अनुज्ञप्ति, केवल जल क्षेत्र की श्रेणी, मछली पकड़ने की विधि और अवधि, जिसके लिए इसे जारी किया गया है, के लिए विधिमान्य होगी;

(ख) अनुज्ञप्ति अन्तरणीय नहीं है ;

(ग) अनुज्ञप्ति धारी सहित किसी भी व्यक्ति को नदी और नालों में किसी पुल के आर पार से 100 मीटर के भीतर मछली पकड़ना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा, परन्तु यह उपनियम उनको लागू नहीं होगा जो बंसी और डोरी या हैंड लाइन या लोंग लाइन द्वारा मछली पकड़ने की अनुज्ञप्ति रखते हैं।

(घ) अनुज्ञप्तिधारी, उक्त अधिनियम के अधीन अपराधों के लिए बिना वारंट के गिरफ्तार करने के लिए अधिनियम की धारा 8 के अधीन सशक्त किसी व्यक्ति को अपनी अनुज्ञप्ति दिखाने के लिए बाध्य होगा;

(ङ) अनुज्ञप्ति जारी करने वाला सक्षम प्राधिकारी इस प्रकार जारी की गई अनुज्ञप्ति को इन नियमों या अधिनियम के किन्ही उपबन्ध के उल्लंघन के लिए रद्द कर सकेगा;

(च) गिल नेट अनुज्ञप्ति के लिए यह शर्त होगी कि अनुज्ञप्ति धारी एक मास में कम से कम पच्चीस दिन मछली पकड़ सकेगा । तर्कपूर्ण कारणों के बिना ऐसा न करने पर अनुज्ञप्ति रद्द किए जाने के लिए दायी होगी। ऐसे अनुज्ञप्ति धारी को आगामी वर्ष हेतु अनुज्ञप्ति से वंचित करने का भी यह पर्याप्त कारण होगा।

7. बंदूक, भाले, धनुष, तीर या इस प्रकार के उपकरणों या व्यवसायिक बहिस्त्राव जल प्रदूषण द्वारा मछली पकड़ना प्रतिषिद्ध करना.——बंदूक, भाले, धनुष, तीर या इस प्रकार के उपकरणों या व्यवसायिक बहिस्त्राव जल प्रदूषण द्वारा या फाई, झटके के उपयोग या कोई अन्य जो अनुसूची में परिभाषित नहीं है, द्वारा मत्स्य के विनाश या नाश करने के प्रयत्न को प्रतिषिद्ध किया जाएगा।

8. विहित मौसम और विनिर्दिष्ट जल क्षेत्रों में मछली पकड़ना इत्यादि प्रतिषिद्ध करना.–(1) किसी भी व्यक्ति को अनुसूची के स्तम्भ 2 के अधीन विहित जल क्षेत्र की बाबत अनुसूची के स्तम्भ 7 में विहित अवधि के दौरान मछली पकड़ना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

(2) किसी भी व्यक्ति को अनुसूची के स्तम्भ 2 के अधीन विहित जल क्षेत्र की बाबत अनुसूची के स्तम्भ 8 के अधीन विहित नदी / नालों के किसी भूभाग (खण्ड) में मछली पकड़ना अनुज्ञात नहीं किया जाएगा।

9. मारने को अनुज्ञात की जाने वाली मछली का न्यूनतम आकार या भार.——कोई भी अनुज्ञप्तिधारी निम्नलिखित में से किसी भी मछली को जो पृथक्तः प्रत्येक जाति के सामने दर्शाए गए आकार से कम है, पकड़ नही सकेगा या मार नही सकेगा या विक्रय नहीं कर सकेगाः——

क	महासीर (टोर प्यूटीटोरा)	50 सेंटी मीटर
ख	ट्राऊट (सालमो ट्रूटा फारियों और ऑकोरिंकस मायकिस)	40सेंटी मीटर
ग	कॉमन कार्प (साइप्रीनस कारपीओं)	30 सेंटी मीटर
घ	थिला (कतला कतला)	45 सेंटी मीटर
ङ	रोहू (लेबिओ रोहिता)	40 सेटी मीटर
च	मोरी (सरिहीना म्रीगाला)	30 सेंटी मीटर
छ	सिलवर कार्प (हाइपोफ्थेलमीक्थीस मोलीट्रीक्स)	45 सेंटी मीटर
ज	ग्रास कार्प (टेनोफारीनगॉडॉन इडेलस)	45 सेंटी मीटर
झ	गुगली और सलोह (सीइजोथोरेक्स प्लाजीओस्टोमस)	40 सेंटी मीटर
ञ	सिंघारा (मीस्टस सिंघाला)	30 सेंटी मीटर

(2) उप नियम (I) में विहित आकार से कम (छोटी) आकार की पकड़ी गई मछलियां अनुज्ञप्तिधारी द्वारा वापस जलक्षेत्र में छोड़ दी जाएंगी ।

10. मछलियों का विपणन, इनका परिवहन व किसी क्षेत्र से बाहर इनका निर्यात.––(1) किसी व्यक्ति, जिसने इन नियमों के नियम 3 (ग) के अधीन जलाशय के रूप में विनिर्दिष्ट जल क्षेत्र में गिलनेट से मछलियां पकड़ने के लिए अनुज्ञप्ति प्राप्त की है, द्वारा पकड़ी गई समस्त मछलियों को, अनुज्ञप्तिधारी द्वारा, मछुआरा सहकारी सभा, जिसका वह सदस्य है, के सुपुर्द की जाएंगी और उन्हें उस मछुआरा सहकारी सोसाइटी द्वारा राज्य सरकार के प्रतिनिधि से तुलाई के लिए अवतरण (तुलाई) केन्द्र में लाया जाएगा और राज्य के भीतर या राज्य से बाहर इसके विपणन से पूर्व अनुसूची के स्तम्भ 5 के साथ पठित नियम 5 के अनुसार फीस प्रभारित की जाएगी।

(2) उप नियम (1) के अधीन इस प्रकार तोली गई मछलियों का विक्रय राज्य या राज्य के बाहर, निदेशक मत्स्यपालन हिमाचल प्रदेश के परामर्श से, मत्स्य सहकारी सभाओं / परिसंघ द्वारा और जहां ऐसा परिसंघ विद्यमान नहीं है, वहां प्रारम्भिक मछुआरा सहकारी सभाओं द्वारा किया जाएगा।

(3) यदि निदेशक द्वारा ऐसा अपेक्षित हो तो इस नियम के अधीन राज्य के बाहर मछलियों का विपणन करने वाला व्यक्ति राज्य में विक्रय के लिए प्रत्येक दिन पकड़ी गई मछलियों का 25 प्रतिशत तक राज्य सरकार द्वारा नियत दरों पर विक्रय करने के लिए आबद्ध होगा।

(4)(क) कोई भी व्यक्ति अवतरण (तुलाई) केन्द्र से विक्रय के लिए किसी मण्डी में निदेशक या इसके द्वारा इस निमित प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जारी किए जाने वाले पास के सिवाय ताजा मछलियों या प्रसंस्कृत मछलियों का परिवहन नहीं करेगा। परिवहन के मार्ग का अनुसरण पास के अनुसार किया जाएगा। इस प्रकार निर्यात की गई मछलियों का पारगमन में किसी भी समय निदेशक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा जांच की जा सकेगी ।

(ख) पास इन नियमों के संलग्न प्रारूप संख्या एफ.एस.एच.–3 पर जारी किया जाएगा

(ग) कोई भी व्यक्ति निदेशक या उसके द्वारा इस निमित प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जारी विधिमान्य पास के बिना राज्य में विपणन के लिए मछलियों का आयात नहीं करेगा ।

(5)(क) निदेशक इस नियम के उपबंध को कार्यान्वित करने के दृष्टिगत समय–समय पर उपयुक्त प्रक्रिया अधिकथित करेगा ।

(ख) निदेशक को मत्स्य विभाग द्वारा विभागीय स्तर पर विक्रीत की जाने वाली मछलियों की दरें नियत करने की शक्तियां होंगी जो उसके द्वारा इस निमित इस प्रकार परिनिश्चित विभिन्न विक्रय केन्द्रों पर बेची जाएंगी ।

(ग) निदेशक या उस द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को मछलियों का मूल्य, जिस पर राज्य में मछलियों का विक्रय किया जाना है सुनिश्चित करने / नियत करने की शक्तियां होंगी ।

11. संयन्त्र का अभिग्रहण, हटाया जाना, मछलियों का समपहरण और परेषण का अधिहरण (जब्ती).––(1) समस्त मत्स्य अधिकारियों को इन नियमों के उल्लंघन में स्थापित / प्रयुक्त किसी संयंत्र का अभिग्रहण करने और हटाने तथा उसको नीलाम करने या उसका भण्डारण करने या स्वामी को वापस करने की शक्तियां होगी ।

(2) समस्त मत्स्य अधिकारियों को इन नियमों के उल्लंघन मे पकड़ी गई मछलियों का संपहरण करने और इनका नीलामी या विक्रय द्वारा व्ययन करने का मामले के गुणागुण (मेरिट) पर स्वामी को वापस करने की शक्तियां होंगी।

(3) समस्त मत्स्य अधिकारियों को इन नियमों के उल्लंघन में मछलियों के किए गए किसी परेषण या परिवहन का अधिहरण करने और नीलामी द्वारा या विक्रय द्वारा उनका व्ययन करने या मामले के गुणागुण (मेरिट) पर इन्हें स्वामी को वापस करने की शक्तियां होगी ।

12. विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर मछलियां पकड़ने वाले जलयान और उपस्कारों का कब्जा.––कोई भी व्यक्ति निजी जलक्षेत्र घोषित न किए गए किसी जलक्षेत्र की परिधि से तीन किलो मीटर के किसी क्षेत्र में मछलियां पकड़ने के जलयान या उपस्कर तब तक नहीं रखेगा जब तक कि उसने मछलियां पकड़ने की विधिमान्य अनुज्ञप्ति प्राप्त नहीं कर रखी हो और समस्त मत्स्य अधिकारियों को संयन्त्र का अभिग्रहण करने और नियम 11 के अधीन कार्यवाही करने की शक्ति होगी।

13. प्रकीर्ण.––(1) निदेशक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को अधिनियम के अधीन उन प्रतिषिद्ध विधियों के सिवाय किसी अन्य विधि द्वारा मछलियां पकड़ने के संसाधनों के अनुसंधान और खोज के प्रयोजन के लिए प्रयोगात्मक आधार पर किसी जल क्षेत्र में मछलियॉ पकड़ने की शक्तियां होंगी ।

(2) निदेशक या उसके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को मछुआरा सहकारी सभा की नियम 10 के उप नियम (1) के अधीन इस प्रकार तोली गई मछलियों की विक्रय दर परिनिश्चित करने की शक्तियां होंगी ।

(3) नियम (3)(ग) के अधीन जलाशयों की बाबत विक्रय की प्रतिशतता पर फीस का समायोजन इन नियमों से संलग्न प्रारुप संख्या एफ.एस.एच.–2 में फीस समायोजन बिल पर किया जाएगा ।

(4) यदि इन नियमों में अन्यथा उपबंधित नहीं है तो निदेशक किसी प्रयोजन के लिए प्रयोग किया जाने वाला प्ररूप विहित करेगा ।

14. निरसन और व्यावृतियां.––(1) अधिसूचना संख्या फिश–ए–(3)1/77 तारीख 15 नवम्बर, 1979 द्वारा अधिसूचित और राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित दी हिमाचल प्रदेश फिशरीज रूल्ज, 1979 का एतद् द्वारा निरसन किया जाता है।

(2) उपर्युक्त नियमों का निरसन निम्नलिखित को प्रभावित नहीं करेगा;–

(क) उपर्युक्त नियमों के अधीन की गई किसी बात या की गई कार्रवाई प्रारम्भ की गई या जारी रखी गई कार्रवाई;

(ख) उपर्युक्त नियमों के उपबंधों के अधीन की गई कोई नियुक्ति, किया गया आदेश या बनाए गए/जारी किए गए विनियम और की गई किसी ऐसी नियुक्ति, किया गया आदेश या बनाए गए/जारी किए गए विनियम जहां तक कि ये इन नियमों के उपबन्धों से असंगत न हों, इन नियमों के उपबंधों के अधीन किए गए/जारी किए गए या दिये गए समझे जाएंगे जब तक कि इन नियमों के अधीन की गई निजी नियुक्ति, दिए गए आदेश या बनाए गए/जारी किए गए विनियम द्वारा अधिक्रान्त न कर दिए गए हों।

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/–
(बी0 सी0 बडालिया),
सचिव (मत्स्यपालन)।

––––––––––

प्ररूप एफ एस एच–I
(नियम 6 और अनुसूची देखें)

प्ररूप संख्या––––––––––
अनुज्ञप्ति संख्या––––––––––––––––

हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र नियम, 2019 के अधीन इस अनुज्ञप्ति धारक व्यक्ति को मछली पकड़ने की –––––––––––––––––––– क्रिया विधि सहित––––––––––जल क्षेत्र में नियमों की अनुसूची के

अधीन—————————— तारीख से——————————अवधि के लिए मछली पकड़ने की एतद् द्वारा अनुमति प्रदान की जाती है।

व्यक्ति का नाम और पता————————————————————————————

संदत की गई फीस या फीस समायोजन बिल के माध्यम से समायोजित की गई फीस रुपये——————————————(————————————रुपये)

संदाय की तारीख——————————   निदेशक या कोई अन्य प्राधिकृत अधिकारी

शर्तें जिनके अधीन अनुज्ञप्ति जारी की गई है:—

1. अनुज्ञप्ति धारक किसी भी मछली को ना तो पकड़ेगा न ही उसे मारेगा न ही उसका विक्रय करेगा यदि मछली की निम्नलिखित जातियां प्रत्येक के सामने दर्शाई गई लम्बाई से कम है :—

क	महासीर (टोर प्यूटीटोरा)	50 सेंटी मीटर
ख	ट्राऊट (सालमो ट्रूटा फारियों और ऑकोरिंकस मायकिस)	40सेंटी मीटर
ग	कॉमन कार्प (साइप्रीनस कारपीओं)	30 सेंटी मीटर
घ	थिला (कतला कतला)	45 सेंटी मीटर
ङ	रोहू (लेबिओ रोहिता)	40 सेटी मीटर
च	मोरी (सरिहीना म्रीगाला)	30 सेंटी मीटर
छ	सिलवर कार्प (हाइपोफ्थेलमीक्थीस मोलीट्रीक्स)	45 सेंटी मीटर
ज	ग्रास कार्प (टेनोफारीनगॉडॉन इडेलस)	45 सेंटी मीटर
झ	गुगली और सलोह (सीइजोथोरेक्स प्लाजीओस्टोमस)	40 सेंटी मीटर
ञ	सिंघारा (मीस्टस सिंघाला)	30 सेंटी मीटर

उपरोक्त दर्शाए गए आकार से कम (छोटी) पकड़ी गई मछली को अनुज्ञप्ति धारक द्वारा वापस जलक्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा।

2. बंदूक, भाले, धनुष और बाण या उस प्रकार के अन्य उपकरणों या व्यवसायिक बहिस्त्राव द्वारा जल प्रदूषण से या फाई, झटके के उपयोग या कोई अन्य क्रियाविधि से जो नियमों में परिभाषित नहीं है, द्वारा मछली का विनाश करने या उसका नाश करने के प्रयास को प्रतिषिद्ध किया जाता है।

3. अनुज्ञप्ति धारक किसी भी व्यक्ति को उसके मछली पकड़ने के उपस्कार के साथ मदद करने के लिए तब तक नहीं लगाएगा या नियोजित नहीं करेगा जब तक कि ऐसा नियोजित व्यक्ति भी अनुज्ञप्ति धारक न हो।

4. अनुज्ञप्ति धारक द्वारा किसी भी पुल से सौ मीटर के भीतर नदी और नालों से मछली पकड़ने के लिए रॉड या लाइन के सिवाए किसी अन्य उपस्कर का उपयोग नहीं किया जाएगा।

5. प्रत्येक अनुज्ञप्ति धारक हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, (1976 का अधिनियम संख्यांक 16) की धारा 8 के अधीन सशक्त किसी भी व्यक्ति को अनुज्ञप्ति दिखाने के लिए आबद्धकर होगा ।

6. अनुज्ञप्ति अंतरणीय नहीं होगी ।

7. अनुज्ञप्ति धारक उपायुक्त या किसी भी मत्स्य अधिकारी या पुलिस अधिकारी को, नियमों का कोई भंग होने पर जो, उसके नोटिस(सूचना) में आता है, रिर्पोट करने के लिए आबद्धकर है ।

8. हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1976 की धारा 3 (1) के अधीन अधिसूचित किसी भी नियम द्वारा मछली पकड़ने के लिए बन्द किसी जलक्षेत्र में मछली पकड़ने की अनुमति नहीं है और अनुसूची शर्तो में मछली पकड़ना बंद है, वर्णित है।

9. प्रत्येक वर्ष कोई भी व्यक्ति एक नवंबर से फरवरी के अंतिम दिन तक की अवधि के दौरान कोई ट्राऊट मछली नहीं पकड़ेगा। अनुज्ञप्ति धारक एक दिन में चार से अधिक ट्राऊट मछली नहीं पकड़ेगा ।

10. ट्राऊट मछली पकड़ने वाला अनुज्ञप्ति धारक निम्नलिखित आरूप भरेगा और अनुज्ञप्ति के अवरकान पर उसे निदेशक एवं मत्स्य प्रारक्षी को वापस करेगा ।

तारीख	नदी / नाले / तालाब / या स्थान	पकडे गए का विवरण		
		पकड़े गई ट्राऊट की संख्या	पकड़े गई ट्राऊट का वजन	टिप्पणी

एफ एस एच–2
हिमाचल प्रदेश सरकार
"मत्स्यपालन विभाग"
[नियम 13(3) देखें]

फीस समायोजन बिल
वही संख्या————————बिल संख्या——————————————————————
मत्स्य अवतरण केन्द्र का नाम——————————————————————————————

तारीख——————————————————————————————————मत्स्य सहकारी सभा

का नाम—————————————————————————————
पकड़ी गई मछलियों का विवरण :

मछली का प्रकार (किस्म)			कुल
भार			
फीस की दर			
फीस रकम			
अतिशेष फीस			
आज जमा की गई फीस			
कुल			

चालान संख्या——————— तारीख———————————————— जिसके द्वारा रॉयल्टी खजाना (ट्रेजरी) में जमा की गई।
अतिशेष फीस की कुल रकम
आज की फीस समायोजन
आज की फीस समायोजन के पश्चात् अतिशेष फीस ।

संविदाकार (ठेकेदार) या उसके प्रतिनिधि के हस्ताक्षर	सभा के अध्यक्ष या उसके प्रतिनिधि के हस्ताक्षर	मछली का वजन करने वाले कर्मचारियों के हस्ताक्षर	पदनाम सहित केन्द्र के प्रभारी के हस्ताक्षर
नियुक्त अभिकरण			

एफ एस एच–3

[नियम 10(4)(ख) देखें]

हिमाचल प्रदेश सरकार

मत्स्यपालन विभाग

बहि संख्या––––––––पास संख्या–––––––––––––––––––––––––– फीस समायोजन बिल संख्या के सर्न्दभ में –––––––––––––––––––––तारीख ––––––श्री / श्रीमति / कु0––––––––––––––––––––––––––––––––––––––– निवासी–––––––––––––––को–––––––––––––––––से –––––––––––––––तक के माध्यम से मछली का वजन–––––––––एतद्द्वारा हस्तांतरण करने की अनुज्ञा दी जाती है।

मछली का विवरण नीचे दिया गया हैः–

मछली की किस्म	कुल संख्या	कुल प्रभार
(I)		
(II)		
(III)		
(IV)		
मछलियों की कुल संख्या ––––––––––––––––– कुल भार		

पद नाम सहित

मत्स्य अवतरण केन्द्र के प्रभारी के हस्ताक्षर।

––––––––––

अनुसूची

अनुज्ञप्तियों का वर्गीकरण

[नियम 3, 4, 5(2)(4), 6 और 8 देखें]

क्र0सं0	जल का प्रकार	अनुज्ञात मछली पकड़ने की विधि (नियम 4 देखें)	अनुज्ञप्ति की वैधता (नियम 6 और 8)		अनुज्ञप्ति फीस (नियम 5 देखें)	बंद सीजन [नियम 8(1)देखें]	मछली पकड़ने के लिए बंद क्षेत्र [(नियम 8(2) देखें]
			अवधि	अधिकारिता			
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	साधारण जल क्षेत्र नियम 3(क)(I)से (VII) के अनुसार	बंसी और डोरी और हैंड लाइन	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर	दैनिक अनुज्ञप्ति जल धारा बार है और साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति पूर्ण राज्य के लिए है।	100 / – रूपये दैनिक या 600 / – रूपये साप्ताहिक या 2400 / – रूपये मासिक या 11000 / – रूपये वार्षिक।	प्रत्येक वर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक (दोनों दिनों को सम्मिलित करके)	**(क) कांगड़ा जिला** (I) पालमपुर तहसील में मछियाली नदी के प्रारम्भ से या इसमें हुल्कू नाला संगम तक। (II) पठानकोट मण्डी सड़क पर पालमपुर तहसील में पुन्न खड्ड पुल से दो सौ मीटर ऊपर और नीचे । (III) कांगडा तहसील में कौली
		(II) कास्ट नेट	वार्षिक	जिला	200 / – रूपये	प्रत्येक वर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक	

						(दोनों दिनों को सम्मिलित करके)	खड्ड की संधार आल के पहले से नारटी मछयाल (टीका मल) और मछयाल के ऊपरी नालें और चो जो सड़क से मिलते है । (IV) कांगड़ा जिला में जुगल खड्ड में सपतैल आल से मामटा मछयाल तक ।
		(III) चिप्स	वार्षिक 1 सितंबर से 30 नवम्बर तक	जिला कांगड़ा का विनिर्दिष्ट क्षेत्र	2000 / – रूपये	प्रत्येक वर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक दोनों दिनों को सम्मिलित करके ।	
		(IV) बारपटा	वार्षिक 1 सितंबर से 30 नवम्बर तक	जिला कांगड़ा का विनिर्दिष्ट क्षेत्र	2000 / – रूपये	प्रत्येक वर्ष 16 जून से 15 अगस्त तक (दोनों दिनों को सम्मिलित करके)	(V) शवदाह मैदान के नजदीक से कालाश्वर स्थित काली नाथ मंदिर तक व्यास नदी के दोनों तटों पर 150 मीटर (50 मीटर ऊपर और 100 मीटर नीचे की तरफ)। (VI) रालियां दी आल और कांगड़ा तहसील के गांव जदरांगल, टीका पधर में खसरा संख्या 111 / 1(17 कनाल 11 मरला भाग) में इसके आसपास का क्षेत्र। (VII)कांगड़ा टाण्डा सड़क पर कांगड़ा मंडी रेलवे स्टेशन के नजदीक झूला पुल से 50 मीटर ऊपर और 100 मीटर नीचे । (VIII)चोबू आल से महाल भारूंह मौजा मुंडी तहसील धीरा जिला कांगड़ा हिमाचल प्रदेश में खसरा संख्या 963, 02–86–27 हैक्टेयर क्षेत्र में अवस्थित न्यूगल खड्ड भेडू महादेव मंदिर के पास भेडू आल तक । **(ख) ऊना जिला** ऊना जिला में भनौर गांव के नजदीक पंज घराटला पुल से घराटों के ऊपर की तरफ राघवा वैली तक। **(ग) कुल्लू जिला** (1) कुल्लु जिला के साधारण जलक्षेत्रों में मोहल खड्ड । (II) कुल्लु जिला के ट्राऊट जलक्षेत्र में सिरिर खड्ड । **(घ) मण्डी जिला** (I) सिख गुरूद्वारा पड्डल से इसके सुकेती नाला संगम तक ब्यास नदी। (II) मण्डी शहर में सुकेती पुल से इसके ब्यास नदी संगम तक सुकेती नाला। (III) गांव मनोह से गांव भराड़ू तक राणा खड्ड। (IV) रिवालसर झील **(ड़) सिरमौर जिला** (I) रेणुका झील

2.	ट्राऊट जल क्षेत्र नियम 3(ख(I) से (X)के अनुसार	कृत्रिम चारा (स्पून और फ्लाई दोनों)	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर।	जल क्षेत्र के अनुसार दैनिक अनुज्ञप्ति और सम्पूर्ण राज्य के लिए साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति	300/– रुपये दैनिक या 1800/–रुपये साप्ताहिक या 7200/– रुपये मासिक या 33000/– रुपये वार्षिक	प्रत्येक वर्ष पहली नवम्बर से फरवरी के अन्त तक ।	––
3.	गोबिन्द सागर नियम 3(ग)(।) के अनुसार	(।) 80 मीटर लंबा और न्यूनतम 5 सेंटीमीटर (गांठ से गांठ तक) जलास्त्र के साथ 5 से 8 मीटर गहरे आकार का गिल जाल (नेट)	प्रथम अप्रैल या जारी करने की तारीख से 31 मार्च तक।	हल्का बार (बीट बार)	100/– रुपये जमा मत्स्य सहकारी सभा द्वारा अवतरण केन्द्र पर मछली के विक्रय आगम का 15 प्रतिशत।	दोनो दिनों सहित प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक।	बांध स्थल से 1.5 किलो मीटर ऊपर की ओर ।
		(।।) बंसी और डोरी	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर	दैनिक अनुज्ञप्ति बीट बार है और सम्पूर्ण जलाशय के लिए साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति	100/– रुपये दैनिक 600/– रुपये साप्ताहिक या 2400/– रुपये मासिक या 11000/– रुपये वार्षिक	दोनो दिनों सहित प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक।	
4.	पौंग जलाशय नियम 3(ग)(।।) के अनुसार	(।) 8 मीटर लंबा और न्यूनतम 5 सेंटीमीटर (गांठ से गांठ तक) जलास्त्र के साथ 5 से 8 मीटर गहरे आकार का गिल जाल जाल।	प्रथम अप्रैल या जारी करने की तारीख से 31 मार्च तक।	हल्का बार (बीट बार)	100/– रुपये जमा मत्स्य सहकारी सभा द्वारा अवतरण केन्द्र पर मछली के विक्रय आगम का 15 प्रतिशत।	दोनो दिनों सहित प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक।	बांध स्थल से 1.5 किलो मीटर ऊपर की ओर।
		(।।) बंसी और डोरी	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर	दैनिक अनुज्ञप्ति बीट बार है और साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति सम्पूर्ण जलाशय के लिए है ।	100/– रुपये दैनिक 600/– रुपये साप्ताहिक या 2400/– रुपये मासिक या 11000/– रुपये वार्षिक।	प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक दोनो दिनों सहित ।	
5.	पण्डोह जलाशय नियम 3(ग)(।।।) के अनुसार	बंसी और डोरी, कृत्रिम बेट (चारा) (स्पून और फ्लाई दोनों)।	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति सम्पूर्ण जलाशय के लिए है।	100/– रुपये दैनिक 600/– रुपये साप्ताहिक या 2400/– रुपये मासिक या 11000/– रुपये वार्षिक।	प्रत्येक वर्ष प्रथम नवम्बर से फरवरी के अन्त तक ।	
6.	चमेरा जलाशय नियम 3(ग)(IV) के अनुसार	(।) 80 मीटर लंबा और न्यूनतम 5 सेंटीमीटर (गांठ से गांठ तक) जलान्ध्र के साथ 5 से 8 मीटर गहरे आकार का गिल जाल जाल	प्रथम अप्रैल या जारी करने की तारीख से 31 मार्च तक।	हल्का बार (बीट बार)	100/– रुपये जमा मत्स्य सहकारी सभा द्वारा अवतरण केन्द्र पर मछली के विक्रय आगम का 15 प्रतिशत।	प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक दोनो दिनों सहित ।	
		(।) बंसी और डोरी	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक	दैनिक अनुज्ञप्ति हल्का बार है और साप्ताहिक या	100/– रुपये दैनिक 600/– रुपये साप्ताहिक	प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक	

			या वार्षिक आधार पर	मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति सम्पूर्ण जलाशय के लिए है ।	या 2400/– रुपये मासिक या 11000/– रुपये वार्षिक	दोनो दिनों सहित ।	
7.	रणजीत सागर नियम 3(ग)(V) के अनुसार	(।) 80 मीटर लंबा और न्यूनतम 5 सेंटीमीटर (गांठ से गांठ तक) जलान्ध्र के साथ 5 से 8 मीटर गहरे आकार का गिल जाल जाल ।	प्रथम अप्रैल या जारी करने की तारीख से 31 मार्च तक।	हल्का बार (बीट बार)	100/– रुपये जमा मत्स्य सहकारी सभा द्वारा अवतरण केन्द्र पर मछली के विक्रय आगम का 15 प्रतिशत।	प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक दोनो दिनों सहित ।	
		(।।) बंसी और डोरी	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर	दैनिक अनुज्ञप्ति हल्का बार है और साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति हिमाचल प्रदेश में आने वाले सम्पूर्ण जलाशय के लिए है ।	100/– रुपये दैनिक 600/– रुपये साप्ताहिक या 2400/– रुपये मासिक या 11000/– रुपये वार्षिक	प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक दोनो दिनों सहित ।	
8.	कोल डैम नियम 3(ग) (vi) के अनुसार	(।) 80 मीटर लंबा और न्यूनतम 5 सेंटीमीटर (गांठ से गांठ तक) जलान्ध्र के साथ 5 से 8 मीटर गहरे आकार का गिल जाल जाल ।	प्रथम अप्रैल या जारी करने की तारीख से 31 मार्च तक।	हल्का बार (बीट बार)	100/– रुपये जमा मत्स्य सहकारी सभा द्वारा अवतरण केन्द्र पर मछली के विक्रय आगम का 15 प्रतिशत।	दोनो दिनों सहित प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक।	
		(II) बंसी और डोरी	दैनिक या साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक आधार पर	दैनिक अनुज्ञप्ति हल्का बार है और साप्ताहिक या मासिक या वार्षिक अनुज्ञप्ति हिमाचल प्रदेश में आने वाले सम्पूर्ण जलाशय के लिए है ।	100/– रुपये दैनिक 600/– रुपये साप्ताहिक या 2400/– रुपये मासिक या 11000/– रुपये वार्षिक।	प्रत्येक वर्ष 16 जनू से 15 अगस्त तक दोनो दिनों सहित ।	

[*Authoritative English Text of this Department Notification No. Fish-A (3)-2/2015-II dated 23-07-2019 as required under Clause (3) of article 348 of the Constitution of India.*]

FISHERIES DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *the* 23*rd July,* 2019

No. Fish-A(3)-2/2015-11.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 (Act No. 16 of 1976), the Governor, Himachal Pradesh proposes to make the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 2019 by repealing the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 1979 notified *vide* this Department's Notification No. Fish.A(3)-1/77, dated 15th November, 1979 and published in the Rajpatra. Himachal Pradesh (Extra Ordinary) dated the 16thFebruary, 1980 and the same are hereby published in the Rajpatra (e-Gazette), Himachal Pradesh for information of the general public.

If any person likely to be affected by these rules has any objection(s) or suggestion(s) with regard to the said rules, he/she may send the same to the Director-*cum*-Warden of Fisheries, Himachal Pradesh, Bilaspur-174001 within a period of thirty days from the date of publication of the same in the Rajpatra(e-Gazette) Himachal Pradesh.

The objection(s) or suggestion(s), if any, received within the above stipulated period shall be taken into consideration by the Government before finalizing these rules, namely;—

DRAFT RULES

1. Short title and commencement.— (1) These rules may be called the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 2019.

(2) They shall come into force at once.

2. Definitions In these rules, unless the context otherwise requires ,—

(a) 'Act' means the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976(No. 16 of 1976);

(b) 'Beat' means the area demarcated for fishing under the rules;

(c) 'Director' means the Director-*cum*-Warden of Fisheries, Himachal Pradesh or any one who may be authorized by the State Government in this behalf;

(d) 'General Waters' shall be those stretches of rivers or streams which are not 'trout waters' and which have been defined under rule 3(A);

(e) 'landing centre' means the place fixed by the Director or any other officer authorized by him where all fish caught shall be collected;

(f) 'license' means the license granted under these rules;

(g) 'person' shall also include a Co-operative Society of fishermen;

(h) 'Schedule' means the Schedule appended to these rules;

(i) 'Trout Waters' shall be those stretches of rivers or streams where trout fish is being developed as defined under rule 3 (B);

(j) 'Year' shall mean financial year; and

(k) 'State' means the State of Himachal Pradesh.

3. Declaration of water not being private water to which all or any of the rules shall apply The following waters are hereby declared not being private waters to which all or any of the rules as according to their respective provisions shall apply,—

(A) General waters :

(*i*) River Jamuna and its tributaries including Markanda and Roon stream excluding Trout Waters.

(*ii*) River Satluj and its tributaries excluding Trout Waters

(*iii*) River Ravi and its tributaries excluding Trout Waters

(*iv*) River Beas and its tributaries excluding Trout Waters

(*v*) River Chenab and its tributaries excluding Trout Waters

(*vi*) All lakes/ponds owned by the Government

(*vii*) Balancing reservoir at Sundernagar and the canal feeding balancing reservoir

(B) Trout waters:

(*i*) River Pabbar from village Mahla to village Hatkoti in Shimla District in Jamuna river system.

(*ii*) River Beas and its tributaries from its source to its confluence with Sarvari streams in Kullu District including Sarvari stream.

(*iii*) Parvati and Gadsa streams and their tributaries in Kullu District

(*iv*) Sainj and its tributaries in Kullu District

(*v*) Tirthan streams and its tributaries above its confluence with river Beas in Kullu and Mandi District.

(*vi*) River Uhl and its tributaries in Mandi and Kangra District including balancing reservoir and feeder channels at Barot.

(*vii*) Entire Bhandal Nallah and its tributaries up streams Chakoli bridge in Chamba District.

(*viii*) River Baspa, Bhaba streams and Chisso stream in Satluj river system in Kinnaur District.

(*ix*) Neugal stream and its tributaries up streams Mainjha bridge and 10 kms stretch of Baner Khad up stream suspension bridge at Tikker Doli in Kangra District.

(*x*) Kurpan stream and its tributaries in Satluj river system in Kullu District.

(C) Reservoirs:

(i) Gobind Sagar Reservoir:

Impoundment formed by Bhakra Dam up to a level of 1680 R.L. in Bilaspur, Una Districts of Himachal Pradesh and it shall be devided into eight beats as below,—

BEAT NO. I	From the inception of the reservoir in Kunkhar Khad to village Raipur on the right bank and village Sharat on the left bank.
BEAT NO. II	From village Raipur on the right bank and village Sharat on the left bank to village Bhakra on the left bank and village Bramni on the right bank.

BEAT NO.III	From village Bhakra on the left bank and village Bramni on the right bank to village Nakrana on the left bank and village Charanaru on the right bank.
BEAT NO. IV	From village Nakrana on the left bank and village Charanaru on the right bank to village Osal on the left bank and village Nansar on the right bank excluding the spread of reservoir in Seer khad beyond village Seri on the right bank and village Badoh on the left bank.
BEAT NO. V	From inception of reservoir in Seer khad to village Seri on the left bank and village Badoh on the right bank.
BEAT NO. VI	From village Osal on the left bank and village Nansar on the right bank to Nala-Ka-Naun on the left bank and village Kasnaur on the right bank including spread of reservoir in Gambhar and Gambhrola Khad.
BEAT NO. VII	From Nala-Ka-Naun on the left bank and village Kasnaur on the right bank to village Kunger-Hatti on the right bank including spread of reservoir in the Ali Khad .
BEAT NO. VIII	From village Kunger-Hatti on the left bank and village Bari Daulan on the right bank to inception of reservoir in river Satluj including spread of reservoir in Alsad Khad.

(ii) Pong Reservoir:

Impoundment formed by Pong Dam up to a level of R.L. 1410 in Kangra District of Himachal Pradesh and it shall be divided into nine Beats as below,—

BEAT NO. I	From the inception of the Dam at Ghamroor and village Chalwara on the right bank to the village Rail on the left bank and village Harsar on right bank.
BEAT NO. II	From village Bari Kianpur on the left bank and village Chalwara on the right bank to the village Rail on the left bank and village Harsar on right bank.
BEAT NO.III	From village Rail on the left bank and village Harsar on right bank to village Ogarhala on the left bank and village Jarot on the right bank.
BEAT NO. IV	From village Ogarhala on the left bank and village Jarot on the right bank to village Rorikori on the left bank and village Nandpur bangoli on the right bank.
BEAT NO. V	From village Rorikori on the left bank and village Nandpur Bangoli on the right bank to village Janmbal on the left bank and village Kohli-Balta and Khairain on the right bank.
BEAT NO. VI	From village Janmbal on the left bank and village Kohli-Balta and Khairain on the right bank to village Bassi on the left bank and village Bari on the right bank.

BEAT NO. VII	From village Bassi on the left bank and village Bari on the right bank to Dehra bridge on both banks.
BEAT NO. VIII	From Dehra bridge on both banks to Chamba Pattan on both banks.
BEAT NO. IX	**Sathana Balancing Reservoir:** Impoundment formed as a result of Shah Nahar Barrage across the river Beas in Kangra District below Pong Dam starting from village Muhal Bhanath to village Muhal Beli on the left side and from village Muhal Van Balhun to village Muhal Brar on the right side.

(iii) Pandoh Reservoir:

Impoundment formed by Pandoh Dam on River Beas up to level of R.L. 2940 in Mandi district.

(iv) Chamera Reservoir:

Impoundment formed by Chamera Dam up to a level of 763.16 m in Chamba district of Himachal Pradesh and it shall be divided in to three beats as under,—

BEAT NO. I	From village Rajpur (Shalimar) on the right bank of river Ravi and village Udaipur Khas on the left bank to village Manot on the right bank and village Dharmari on the left bank.
BEAT NO. II	From village Dudun (Gharat Nalla) on the right bank of river Siul to village Kandla on the left bank and village Dhapyara Bargral on the right bank to village Ukal (Palai) on the left bank.
BEAT NO. III	From village Dhapyara Bargral on the right bank of river Suel to village Ukal (Palai) on the left bank and village Manot on the right bank of river Ravi to village Dharmari on the left bank of river Ravi.

(v) Ranjeet Sagar Reservoir:

Impoundment formed by Ranjeet Sagar Dam (Thein Dam) in the area falling in Chamba District of Himachal Pradesh and it shall be divided into only one beat as under,—

BEAT NO.I	From the revenue Village Chonka to Khairi, Lahri, Sandhara, Siharu, Chuhan and Bihnu.

(vi) Kol Dam Reservoir:

Impoundment formed by Kol Dam upto a level of 646 M in the area falling in District of Bilaspur, Shimla, Solan and Mandi of Himachal Pradesh and it shall be divided into following three beats,—

BEAT NO. I	From Village Chamyan on the left bank of reservoir and village Kyan on the right bank of reservoir to village Padyar on left bank and village Ahan on right bank.

BEAT NO. II	From Village Padyar on the left bank of reservoir and village Ahan on right bank to village Annu on left bank and village Karangal on right bank.
BEAT NO. III	From Village Annu on left bank of reservoir and village Karangal on right bank to village Makarchha on left bank and village shakra on right bank.

4. Fishing methods and mode of use.—Notwithstanding anything contained in these rules and subject to provision of rules 5 and 6 fishing methods permitted for fishing in water declared not to be private water shall be as per column 3 of the Schedule:

Provided that fishing by Chips and Barpatta shall be allowed only on the basis of local customs and customary rights accrued to bonafide fishermen who hold a general fishing license.

5. Grant of licenses for fishing, fee payable thereof.—(1) No person shall fish in water declared not being private waters except under a license.

(2) The license for fishing shall be issued by the Director or any officer authorized by him/her in this behalf subject to these rules and the license so issued shall only be valid subject to fulfillment of these rules and the conditions prescribed in these rules.

(3) The license shall be issued on the Form No. FSH -1 annexed to these rules.

(4) The license shall be issued only on receipt of payment of fee as per column 5 of the Schedule. "Amount of royalty fee shall be payable in advance as per the procedure laid down by the Director".

(5) In case license granted under these rules is lost or destroyed, the duplicate license shall be issued on payment of Rs. 10/-

6. Conditions for issuance of license.—The license for fishing shall be issued under following conditions namely:—

(*a*) The license shall be valid only for the class of water, fishing method and period for which it has been issued;

(*b*) the license is not transferable;

(*c*) no person including licensee shall be allowed to fish in river and streams with in 100 M from any bridge across that, provided that this sub-rule shall not apply to those who holds license for fishing rod and line or hand line or long line;

(*d*) licensee shall be bound to show his license to any person empowered under Section 8 of the Act to arrest without warrant for offences under the rule of Act;

(*e*) the competent authority for issuing the license may cancel the license so issued for breach of any provision of these rules or the Act; and

(*f*) it will be a condition of Gill net license that licensee shall fish for a minimum period of 25 days in a month. Failing to do so without cogent reasons, the license shall be liable to be cancelled. This shall also be sufficient reason to deny such licensee a license for the ensuing year.

7. Prohibiting fishing by gun spear, bow arrow or like instruments or pollution of water by trade effluent.—Destruction or attempt to destroy fish by gun, spear, bow and arrow or like instruments or pollution of water by trade effluent "or by use of phai, jhatka or any other method not defined in the Schedule" shall be prohibited.

8. Prohibiting fishing etc. in prescribed season and specified waters.—(1) No person shall be allowed to fish during the period prescribed in column 7 of the Schedule in respect of water prescribed under column 2 of the Schedule.

(2) No person shall be allowed to fish in any stretch of river/streams prescribed under column 8 of the Schedule in respect of water prescribed under column 2 of the Schedule.

9. Minimum size or weight of fish allowed to be killed.—(1) No licensee shall catch or kill or sell any of the following fish which is less than the size shown against each species, separately:—

(a)	Mahseer (Tor putitora)	50 cms.
(b)	Trout (Salmotruttafario or Oncorhynchusmykiss)	40 cms.
(c)	Common Carp (Cyprinuscarpio)	30 cms.
(d)	Theila (Catlacatla)	45 cms.
(e)	Rohu (Labeorohita)	40 cms.
(f)	Mori (Cirrhinamrigala)	30 cms.
(g)	Silver carp (Hypophthalmicthysmolitrix)	45 cms.
(h)	Grass carp (Ctenopharyngodonidellus)	45 cms.
(i)	Gugli or Saloh (Schizothoraxplagiostomus)	40 cms.
(j)	Singhara (Mystusseenghala)	30 cms.

(2) The fish caught below the size prescribed in sub-rule (1) shall be released back in the water by the licensee.

10. Marketing of fish, its transport/export of fish out side any area.—(1) All fish caught by any person who has got a license for fishing with gillnet in the water specified as reservoirs under rule 3 (c) of these rules shall be handed over by the licensee to the fishermen Co-operative Society of which he/she is a member and shall be brought to the landing center by that fishermen co-operative society for weightment by representative of State Government and charging fee shall be charged as per rule 5 read with column 5 of the Schedule before its marketing inside or outside the State.

(2) The sale of fish, so weighed under sub-rule (1) shall be done within and outside the State in consultation with the Director of Fisheries, Himachal Pradesh by the Fisheries Co-operative Societies/Federation and where no such Federation exists, by the primary fishermen co-operative societies.

(3) If so required by the Director, the person marketing fish outside the State under this rule shall be bound to sell to the extent of the "25%" of daily catch of fish for sale in the State at rates fixed by the State Government.

4.(a) No person shall transport fresh fish or processed fish from the landing center or any other fish production centre to any market for sale except under the pass to be issued by the Director or any person authorized by him/her in this behalf. The route of transport has to be adhered as per pass. The fish being so exported may be examined any time in transit by Director or any person authorized by him/her.

(b) The pass under rule shall be issued on the Form No. FSH -3 annexed to these rules.

(c) No person shall import fish into the State for marketing without a valid pass issued by the Director or any other person authorized by him/her in this behalf.

5.(a) The Director shall lay down suitable procedure from time to time with a view to carry out the provision of this rule.

(b) The Director shall have powers to fix the rates at which the fish sold departmentally by the Fisheries Department, shall be sold at various sale centres so defined by him/her in this behalf.

(c) The Director or any officer authorized by him/her shall have powers to finalize/fix the price of fish, at which sale of fish shall be done within the State.

11. Seizure, removal of apparatus, forfeiture of fish and confiscation of consignment.—(1) All Fisheries Officers shall have powers to seize and remove any apparatus, erected/used in contravention of these rules and put the same to auction or store or return to the owner.

(2) All Fisheries Officers shall have powers to forfeit the fish caught in contravention of these rules and to dispose it of by auction or sale or restore it to the owner on the merit of the case.

(3) All Fisheries Officers shall have powers to confiscate any consignment of fish held or transported in contravention of these rules and to dispose it of by auction or sale or restore it to the owner on the merit of the case.

12. Possession of fishing craft and gears with in specified limits.—No person shall possess fishing crafts or gears with in an area of 3 kms. from periphery of any water declared not being private water unless he/she has got a valid license for fishing with that and all Fisheries Officers shall have power to seize the apparatus and proceed under rule 11.

13. Miscellaneous.— (1) The Director or any officer authorized by him/her shall have powers to fish in any water by any method except those prohibited under the Act, on experimental basis for purpose of research and exploration of fisheries resources.

(2) The Director or any officer authorized by him/her shall have powers to finalize the sale rate of fish of fishermen Co-operative Society so weighed under sub- rule(1) of rule 10.

(3) The adjustment fees on %age of sale in respect of reservoirs under Rule 3 (c) shall be done on fee adjustment bill in Form No. FSH -2 annexed to these Rules.

(4) The Director shall prescribe the form to be used for any purpose if not otherwise provided for under these Rules.

14. REPEALED AND SAVINGS.—(1) The Himachal Pradesh fisheries rules, 1979 notified *vide* notification No. Fish.A(3)-1/77 dated 15th November, 1979 and published in the Rajpatra, Himachal Pradesh are hereby repealed.

(2) The repeal of the aforesaid rules, shall not affect,—

(a) anything done or action taken, proceeding commenced or continued under aforesaid rules.

(b) any appointment order or regulation made/issued or given under the provision of aforesaid rules and any such appointment order of regulation made/issued or given shall in so far it is not inconsistent with the provision of these rules be deemed to have been made/issued or given under the provisions of these rules unless and until superseded by any appointment, order or regulation made/issued or given in these rules.

By order,
(B. C. BADALIA),
Secretary (Fisheries).

FORM FSH-1 (See rule 6 and Schedule)	**FORM FSH-1** (See rule 6 and Schedule)
Form No……………………………………… License No…………………………………… Permission is hereby granted to the person holding this license under the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 2019 to fish in water…………………………... with fishing method……………………………………… For the period of………………..... with effect from…………………. under the Schedule to the rules………………............. Name and address of the person …………………………………………………………………………………………… Fee paid or adjusted through fee adjustment BILL Rs…………………………………………... (Rupees…………………………..……… ………..……………………..……………) Date of payment………………………..	Form No……………………………………… License No…………………………………… Permission is hereby granted to the person holding this license under the Himachal Pradesh Fisheries Rules, 2019 to fish in water…………………………... with fishing method……………………………………… For the period of………………..... with effect from…………………. under the Schedule to the rules………………......................... Name and address of the person …………………………………………………………………………………………… Fee paid or adjusted through fee adjustment BILL Rs…………………………………………… (Rupees…………………………..……… ………..……………………………………) Date of payment………………………..
Director or any **Officer authorised.**	**Director or any** **Officer authorised.**

Conditions under which the license is issued :

1. The license holder shall not catch or kill or sell any fish if the following species are less than the length shown against each.

(a)	Mahseer (Tor putitora)	= 50 cms.
(b)	Trout (Salmo trutta fario or Oncorhynchus mykiss)	= 40 cms.
(c)	Common Carp (Cyprinus carpio)	= 30 cms.
(d)	Theila (Catla catla)	= 45 cms

(e)	Rohu (Labeo rohita)	= 40 cms.
(f)	Mori (Cirrhina mrigala)	= 30 cms.
(g)	Silvercarp (Hypophthalmicthys molitrix)	= 45 cms
(h)	Grass carp (Ctenopharyngodon idellus)	= 45 cms.
(i)	Gugli or Saloh (Schizpthorax plagiostomus)	= 40 cms.
(j)	Singhara (Mystus seenghala)	= 30 cms.

Fish caught below the size shown above shall be released back by the licensee.

2. The destruction or attempting to destroy fish by gun, spear, bow and arrow and like instruments or pollution of waters by trade effluent or by use of phai, jhatka or any other methods gear defined in the rules is prohibited.

3. The license holder shall not engage or employ any person to help him/her with his/her fishing gear unless the person so employed is also a license holder.

4. No fishing gear except rod and line shall be used by the license holder in river and streams with in 100 M from any bridge.

5. Every license holder shall be bound to show the license to any person empowered under section 8 of the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 (Act No.16 of 1976).

6. The license is not transferable

7. The license holder is bound to report to the Deputy Commissioner or any Fisheries Officer or Police Officer, of any breach of rules that comes to his notice.

8. Fishing is not permitted in any water closed to fishing by any rule notified under section 3(1) of the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 and described as closed to fishing shown in the Schedule.

9. No trout shall be caught by any person during the period from 1st November to last day of February each year. Not more than four trout shall be caught in a day by the license holder.

10. The holder of a trout fishing license shall fill in the following proforma and return to the Director-*cum*-Warden of Fisheries on expiry of the license.

Date	River/stream/ pool or place	Detail of catch		Remarks
		No. of Trout caught	Wt. of Trout caught	

FSH-2

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH

"FISHERIES DEPARTMENT"

[*See* Rule 13(3)]

FEE ADJUSTMENT BILL

Book No…… Bill No……

Name of the Fish Landing Centre……………………………………………………………………
Date…………………….. Name of Fish Co-Operative Society ………………………………
……………………………………………………………………………………………………
Details of fish caught

Fish Variety					Total
Weight					
Rate of fee					
Fee amount					
Balance of fee					
Fee deposited today					
Total					

Challan No………………dated…………………*vide* which royalty is deposited into try.
Total Amount of fee in balance
Today's fee adjustment
Balance fee after day's adjustment

Signature of the Contractor or his/her representative	**Signature of president of society or his /her representative**	**Signature of employees who weighed the fish**	**Signature of Incharge of Centre with Designation**

Agency appointed.

FSH-3

[*See* Rule 10(4)(B)]

GOVERNMENT OF HIMACHAL PRADESH
"FISHERIES DEPARTMENT"

PASS

Book No…………………………………..Pass No………………………………………

With reference to Fee Adjustment Bill No. ……………………………………………………

Date…………………………Shri…………………………………………………………
Resident of ……………………………………………………………………………………
is hereby permitted to transfer ………………………...……………………………………
to……………………………………………(Weight of fish) ………………………
from………………………..to……………………….*via*……………….The details of fish are given below:—

Fish Variety	**Total No**	**Total weight**
(i)		
(ii)		
(iii)		
(iv)		
Total No. of Fishes………………	**Total Weight** …………………..	

Signature of the In-charge Fish
Landing Center with Designation.

SCHEDULE

CLASSIFICATION OF LICENSES

[*See* Rules 3, 4, 5(2)(4), 6 and 8]

Sl. No.	Kind of water (see rule 3)	Permitted fishing method (see rule 4)	License valid for (Rule 6 & 8)		License fee: (See rule 5)	Close-season: [See rule 8 (1)]	Closed area for fishing [See rule 8 (2)]
			Period	Jurisdiction			
1.	2.	3.	4	5	6	7	8
1.	**GENERAL WATER** as per rule- 3 (a) (i) to (vii)	(i) Rod and Line and Handline	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily licence is stream wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire State	Rs. 100/- daily or Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	(a) KANGRA DISTRICT i) From the inception of river Machhiali in Palampur tehsil or to it's confluence with HulkuNalla. ii) one hundred metres above and two hundred metres below bridge on Punnkhad in Palampur Tehsil on Pathankot Mandi Road. iii) From the back of SandharAal of Khaulikhad in Kangra Tehsil to Narti Machhial (Tikka mal) and up streams of Machhial and Cho which meet the road. iv) From SaptailAal to Mamta Machhial in Jugalkhad in Kangra District. v) 150 mtrs both banks of river Beas (50 mtrs above and 100 mtrs downwards) near Cremation ground to Kali Nath Mandir situated at Kalashwar. vi) Ralian Di Aal and its surrounding area in Khasra No. 111/1(17 Kanal 11 marla portion) in Tikka Paddar village Jadrangal in Kangra Tehsil. vii) 50 mtrs above and 100 mtrs below the suspension bridge near Kangra Mandi Railway station on Kangra Tanda Road. (viii) From Chobu Aal to Bhedu Aal near Bhedu Mahadev Mandir in Neugal Khad situated in Khasra No. 963 measuring 02-86-27 hectare Mohal Maruhoon Mauza Mundi, Tehsil Dheera, District Kangra, Himachal Pradesh. (b) UNA DISTRICT (i) From the Panjghratla bridge near Bhanaur village upto Raghwa valley above Gharats in Una District. (c) KULLU DISTRICT (i) Mohal Khad in general waters of Kullu district. (ii) Sirir Khad in Trout Waters of Kullu District.
		(ii) Cast Net	Yearly	District	Rs.200/-	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
		(iii) Chips	Yearly 1st Sep. to 30th Nov.	Specified area of Kangra Distt.	Rs. 2000/-	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
		(iv) Barpata	Yearly 1st Sep. to 30th Nov.	Specified area of Kangra Distt.	Rs. 2000/-	16th June to 15th August each year both days inclusive.	

							(d) MANDI DISTRICT (i) River Beas from Sikh Gurdwara paddal upto its confluence with Suketi nallah. (ii) Suketi streams from Suketi bridge in Mandi Town upto its confluence with river Beas. (iii) Rana Khad from village Monoh up to village Bhararu. (iv) Rewalsar lake. (e) SIRMAUR DISTRICT (i) Renuka lake
2.	**TROUT WATERS** as per rule 3 (B) (i) to (x)	Artificial baits (both spoon and fly)	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily licence is stream wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire State	Rs. 300/- daily or Rs. 1800/- weekly or Rs. 7200/- monthly or Rs. 33000/- yearly	1st November to last of the February of each year.	
3.	**GOBIND SAGAR RE-SERVOIR** as per rule 3 (C) (i)	(i) Gill net of size 80 mtrs long and 5 to 8 mtrs depth with minimum mesh of 5 cms from (knot to knot)	1st April or date of issue to 31st March	Beat wise	Rs. 100/- plus 15% of sale proceeds of fish by the Fish Co-operative Society at landing centre.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	1.500 Kms upstream of the dam Body.
		(ii) Rod and Line	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily licence is beat wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire reservoir.	Rs. 100/- daily Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
4.	**PONG RE-SERVOIR** as per rule 3 (C) (ii)	(i) Gill net of size 80 mtrs long and 5 to 8 mtrs depth with minimum mesh of 5 cms from (knot to knot)	1st April or date of issue to 31st March	Beat wise	Rs. 100/- plus 15% of sale proceeds of fish by the Fish Cooperative Society at landing centre.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	1.500 Kms upstream of the dam Body.
		(ii) Rod and Line	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily licence is beat wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire reservoir.	Rs. 100/- daily Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
5.	**PANDOH RESERVOIR** as per rule 3 (C) (iii)	Rod and Line, artificial baits (both spoon and fly)	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily or weekly or monthly or yearly licence is for entire reservoir	Rs. 100/- daily Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	1stNovember to last of the February of each year.	
6.	**CHAMERA RESERVOIR** as per rule 3 (C) (iv)	(i) Gill Net of size 80 mtrs long and 5 to 8 mtrs deep with minimum mesh size of 5 cms from knot to knot.	1st April or date of issue to 31st March	Beat wise	Rs. 100/- plus 15% of sale proceeds of fish by the fish Co-operative Society at landing centre.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	

		ii) Rod and Line	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily licence is beat wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire reservoir.	Rs. 100/- daily Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
7.	**RANJIT SAGAR RESERVOIR** as per rule 3 (C) (v)	(*i*) Gill Net of size 80 mtrs long and 5 to 8 mtrs deep with minimum mesh size of 5 cms from knot to knot.	1st April or date of issue to 31st March	Beat wise	Rs 100/- plus 15% of sale proceeds of fish by the fish Co-operative society at landing centre.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
		(*ii*) Rod and line	Daily or weekly or monthly or yearly basis	Daily licence is beat wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire Reservoir area falling in Himachal Pradesh.	Rs. 100/- daily Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
8.	**KOL DAM RESERVOIR** as per rule 3 (C) (vi)	(i) Gill net of size 80 mtrs long and 5 to 8 mtrs depth with minimum mesh of 5cms from (knot to knot).	1st April or date of issue to 31st March	Beat wise	Rs. 100/- plus 15% of sale proceeds of fish by the Fish Co-operative societies at the landing centres.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	
		(ii) Rod and line or Hand line	Daily or weekly or monthly or yearly basis.	Daily licence is beat wise and weekly or monthly or yearly licence is for entire reservoir.	Rs. 100/- daily Rs. 600/- weekly or Rs. 2400/- monthly or Rs. 11,000/- yearly.	16th June to 15th August each year both days inclusive.	

गृह विभाग

शुद्धि–पत्र

शिमला–2, 28 फरवरी, 2019

संख्या गृह (जी) ए(3)–1 / 2016.––इस विभाग द्वारा जारी समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 14–1–2019 जिसके द्वारा हिमाचल प्रदेश, अभियोजन विभाग, उप–जिला न्यायवादी (अभियोजन) वर्ग–I (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, जारी किये गए थे, में आंशिक संशोधन करते हुए इस अधिसूचना के पैरा 1 (1) को निम्न प्रकार से प्रतिस्थापित किया जाए :––

''इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश, अभियोजन विभाग, उप–जिला न्यायवादी वर्ग–I (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2019 है।''

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित / –
अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह)।

HOME DEPARTMENT (PROSECUTION)

CORRIGENDUM

Shimla-2, *the* 28*th February*, 2019

No. Home (G) A (3)-1/2016.—In partial modification of this department's Notification of even number dated 14-1-2019 *vide* which Recruitment and Promotion Rules, for the post of Deputy District Attorney, Class-I (Gazetted) were issued, the para 1(1) of the said Notification may be substituted as under:—

"These rules may be called the Himachal Pradesh, Prosecution Department, Deputy District Attorney Class-I (Gazetted) Recruitment and Promotion Rules, 2019"

By order,

Sd/-
Addl. Chief Secretary (Home).

BYE–LAWS FOR DOOR-TO-DOOR GARBAGE COLLECTION & DISPOSAL-2018

NOTIFICATION

Dharamshala, the 9*th August,* 2019

No. DMC/Engg.(F)14-3/2019.—These Bye–laws framed by Dharamshala Municipal Corporation may be called the **Door to Door Garbage Collection & Disposal–2019.**

CHAPTER–I

GENERAL

1. Short title and commencement.—(*a*) These Bye–laws may be called The Door-to-Door Garbage Collection and Disposal Bye-laws 2019 of DHARAMSHALA MUNICIPAL CORPORATION for Municipal solid waste management & disposal.

(*b*) These bye–laws shall come into force on the date of their adoption and publication in the Rajpatra the gazette of Himachal Pradesh Government.

(*c*) This shall apply to Dharamshala municipal area.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires,—

(A) "act" means the Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994 and Himachal Pradesh Municipal Act, 1994.

(B) "bulk waste generator" means and includes buildings occupied by the Central government departments or undertakings, State government departments or undertakings, local bodies, public sector undertakings or private companies, hospitals, nursing homes, schools, colleges, universities, other educational institutions, hostels, hotels, commercial establishments, markets, places of worship, stadia and sports complexes having an average waste generation rate exceeding 100 kg per day**;**

(C) "bye-laws" means regulatory framework notified by local body, census town and notified area townships for facilitating the implementation of these rules effectively in their jurisdiction**.**

(D) "composting" means a controlled process involving microbial decomposition of organic matter;

(E) "**disposal"** means the final and safe disposal of post processed residual solid waste and inert street sweeping sand silt from surface drains on land as specified in Schedule I to prevent contamination of ground water, surface water, ambient air and attraction of animals or birds;

(F) "domestic hazardous waste" means discarded paint drums, pesticide cans, CFL bulbs, tube lights, expired medicines, broken mercury thermometers, used batteries, used needles and syringes and contaminated gauge, etc., generated at the household level;

(G) "door to door garbage collection" means collection of solid waste from the door step of households, shops, commercial establishments, offices, institutional or any other non-residential premises and includes collection of such waste from entry gate or a designated location on the ground floor in a housing society, multi storied building or apartments, large residential, commercial or institutional complex or premises;

(H) "dry waste" means waste other than bio-degradable waste and inert street sweepings and includes recyclable and non-recyclable waste, combustible waste and sanitary napkin and diapers, etc;

(I) "dump sites" means a land utilised by local body for disposal of solid waste without following the principles of sanitary land filling;

(J) "fine/penalty" means penalty imposed on waste generators or operators of waste processing and disposal facilities under the bye-laws for non-compliance of the directions contained in these or bye-laws;

(K) "municipality" means the Dharamshala Municipal Corporation of Himachal Pradesh;

(L) "non-biodegradable waste" means any waste that cannot be degraded by microorganisms into simpler stable compounds;

(M) "sanitary land filling" means the final and safe disposal of residual solid waste and inert wastes on land in a facility designed with protective measures against pollution of ground water, surface water and fugitive air dust, wind-blown litter, bad odour, fire hazard, animal menace, bird menace, pests or rodents, greenhouse gasemissions, persistent organic pollutants slope instability and erosion;

(N) "sanitary waste" means wastes comprising of used diapers, sanitary towels or napkins, tampons, condoms, incontinence sheets and any other similar waste;

(O) "schedule" means the schedule indicating the rate in respect of sign boards;

(P) **"secondary storage"** means the temporary containment of solid waste after collection at secondary waste storage depots or MRFs or bins for onward transportation of the waste to the processing or disposal facility;

(Q) **"segregation"** means sorting and separate storage of various components of solid waste namely biodegradable wastes including agriculture and dairy waste, non-biodegradable wastes including recyclable waste, no recyclable combustible waste, sanitary waste and non-recyclable inert waste, domestic hazardous wastes, and construction and demolition wastes;

(R) **"service provider"** means an authority providing public utility services like water, sewerage, electricity, telephone, roads, drainage, etc;

(S) **"user fee/ charge"** means a fee imposed by the local body and any entity mentioned in rule on the waste generator to cover full or part cost of providing solid waste collection, transportation, processing and disposal services.

(T) **"waste picker/Collector"** means a person or groups of persons informally engaged in collection and recovery of reusable and recyclable solid waste from the source of waste generation the streets, bins, material recovery facilities, processing and waste disposal facilities for sale to recyclers directly or through intermediaries to earn their livelihood.

Words and expressions used herein but not defined, but defined in the Environment (Protection) Act, 1986, the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974, Water (Prevention and Control of Pollution) Cess Act, 1977 and the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981, Himachal Pradesh Corporation Act, 1994, Himachal Pradesh Municipal Act, 1994 and Solid Waste Management Rules, 2016 shall have the same meaning as assigned to them in the respective Acts and Rules.

CHAPTER–II

MANAGEMENT OF MUNICIPAL SOLID WASTE

3. Municipal Solid Waste Management.—The Dharamshala Municipal Corporation shall establish an integrated Solid Waste Management (SWM) system with an aim to reduce the amount of waste being disposed, while maximizing resources recovery and efficiency. The preferred waste management system shall focus on the following points, namely:—

I. *Reduction and reuse at source:*—The most preferred option for Solid Waste Management shall be prevention of waste generation. It will be helpful in reducing the handling, treatment, and disposal costs and specially reduce various environmental impacts such as leachate, air emissions and generation of greenhouse gases.

II. *Waste recycling:*—Recovery of recyclable material resources through a process of segregation, collection and re-processing to create new products shall be the next preferred alternative.

III. *Composting:*—As far as possible the organic fraction of waste shall be composted and used to improve soil health and agricultural production adhering to norms.

IV. *Waste-to-Energy:*—Where material recovery from waste is not possible, energy recovery from waste through production of heat, electricity or fuel may be preferred. Bio-methanation, waste incineration, production of Refuse Derived Fuel (RDF) and co-processing of the sorted dry rejects from municipal solid waste are to be commonly adopted "Waste to Energy" technologies.

V. *Waste disposal:*—Remaining residual waste, which ideally comprises of inerts, shall be disposed in sanitary landfills constructed in accordance with stipulations of the Solid Waste Management Rules, 2016.

VI. The Integrated Solid Waste Management system shall be environment friendly. Waste minimization, waste recycling, waste-to-energy strategies and landfill gas capture and use which are promoted in the Solid Waste Management Rules, 2016 shall be adopted for reduction of greenhouse gases.

CHAPTER–III

MUNICIPAL SOLID WASTE COLLECTION & TRANSPORTATION

4. Segregation & Primary Storage of Municipal Solid waste:—(*a*) It will be prime responsibility of every waste generator/citizen to segregate the waste generated by them in three separate streams namely bio-degradable, non-biodegradable and domestic hazardous wastes in suitable covered bins and handover segregated wastes to authorised waste pickers or waste collectors designated by ULBs or Agency Hired by ULBs once a day or at the frequency as decided by respective local body on the timing fixed by the service provider. Every citizen has to pay a fixed monthly rental for the services of door-to-door garbage collection.

(*b*) Waste generators shall be encouraged to segregate waste and store at source in three separate colour bins *i.e*. green-for biodegradable waste, blue- for non-biodegradable, red-for domestic hazardous waste.

(*c*) All institutions with more than 5,000 sqm area shall, within one year from the date of notification of these bye laws and in partnership with the Dharamshala Municipal Corporation, ensure segregation of waste at source by the generators, facilitate collection of segregated waste in separate streams, handover recyclable material to either the authorised waste pickers or the authorised recyclers. The bio-degradable waste shall be processed, treated and disposed off through composting or bio-methanation within the premises as far as possible. The residual waste shall be given to the waste collectors or agency as directed by the Dharamshala Municipal Corporation.

(*d*) No person shall organise an event or gathering of more than one hundred persons at any unlicensed place without intimating the Dharamshala Municipal Corporation, at least three working days in advance and such person or the organiser of such event shall ensure segregation of waste at source and handing over of segregated waste to waste collector or agency as specified by the Dharamshala Municipal Corporation and will pay necessary user charges.

(*e*) Used sanitary waste are to be securely wrapped as and when generated in the pouches provided by the manufacturers or brand owners of these products or in a newspaper or suitable biodegradable wrapping material and place the same in the bin meant for non- biodegradable waste or dry waste.

(*f*) Every street vendor shall keep suitable containers for storage of waste generated during the course of his activity such as food waste, disposable plates, cups, cans, wrappers, coconut shells, leftover food, vegetables, fruits, etc., and shall deposit such waste at waste storage depot or container or vehicle as notified by the Municipality.

(*g*) Store separately construction and demolition waste, as and when generated, in his own premises and shall dispose off as per the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016.

(*h*) Bulk waste generators of garden and horticulture waste like park, stadium etc. shall store separately in their premises and dispose of the same as may be prescribed by the Dharamshala Municipal Corporation from time to time.

(*i*) No untreated bio-medical waste, e-waste, hazardous chemicals and industrial waste shall be mixed with municipal solid waste and such waste shall follow the rules specifically separately specified for the purpose.

(*j*) Every waste generator has to ensure that there is no practice of burning or burying the solid waste generated by him, throwing on streets/open public spaces outside his premises or in the drain or water bodies.

(*k*) Littering of waste on streets/open space/water bodies/drain shall be fined on the spot. On iterative they will be punishable and can subjected to court as per rule.

(*l*) Time to time awareness generation campaigns should be organised to motivate people. RWA (Resident Welfare Association), Local NGOs, representative of public association and elected local member should be involved in the programme to motivate citizen.

5. Primary Collection of Municipal Solid Waste.—(*a*) Each and every house in the city/ town should approached for the primary collection of waste by means of wheel barrow, push cart, tricycle, small auto tipper depending on the size of road available.

(*b*) Dharamshala Municipal Corporation have to arrange for daily door-to-door collection of segregated solid waste from all households including slums and informal settlements, commercial, institutional and other non-residential premises. From multi-storage buildings, large commercial complexes, malls, housing complexes, etc., this may be collected from the entry gate or any other designated location;

(*c*) Dharamshala Municipal Corporation have to establish a system to recognise organisations of waste pickers or informal waste collectors and promote and establish a system for integration of these authorised waste-pickers and waste collectors to facilitate their participation in solid waste management including door-to-door collection of waste;

(*d*) Dharamshala Municipal Corporation have to facilitate formation of Self Help Groups, provide identity cards and thereafter encourage integration of informal waste pickers in solid waste management including door-to-door collection of waste.

(*e*) Dharamshala Municipal Corporation have to collect separately waste from sweeping of streets, lanes and by-lanes daily, or on alternate days or twice a week depending on the density of population, commercial activity and local situation.

(*f*) Dharamshala Municipal Corporation have to collect horticulture, parks and garden waste separately and process in the parks and gardens, as far as possible.

(*g*) Time for the door-to-door collection services will have to fixed by the concern ULBs. Generally timing should to be between 6.00 A.M. to 9.00 A.M. For proper waste collection vehicle such as tricycle, auto tipper used for door-to-door garbage collection should be equipped with Alarm with audible decibel fixed as per the rules and timing should be strictly followed by the sanitation workers.

(*h*) For door-to-door garbage collection from commercial complex, offices and secondary bins timing should be between 9.00 A.M. to 11.00 A.M.

(*i*) For proper solid waste management & grievance redress Dharamshala Municipal Corporation should set up small office/ centre in each ward of their boundaries.

(*j*) Under door-to-door services user charge for collection should be charged as per subject to variation from time to time and detail given in Annexure-'A'.

(*k*) User charge mentioned in Annexure-A for door-to-door services needs to be collected from each and every household & other establishment of all the wards in the municipal boundaries of the ULBs. Users charge decided above, contact person's name & number needs to be conveyed to general public through different media such as display on the vehicles used for these services, hoardings, pamphlets etc. Also, awareness generation campaigns need to be organised.

(*l*) No manual loading or unloading of waste in compactor should be practised with open hand or without safety measure as per the Solid Waste Management Rules, 2016.

6. Secondary Storage of Municipal Solid Waste.—Municipality by their own or with help of Agency hired needs to develop storage bins/ secondary storage points for the collection of waste generated in the town, they will also be responsible to monitor the condition of these bins so that no filthy or unhygienic condition develops around. While establishing or monitoring secondary storage bins following precaution needs to be taken care.

(*a*) Storage/Secondary storage bins should be designed and develop on the basis of the quantity of waste generated, density of population in the notified municipal boundaries. Minimum distance between two bins should be 500 meters and within radius of 1 km maximum numbers of bins should limited upto 5. Established bins must be covered with movable lid and must be approachable/connected with metallic or non-metallic road.

(*b*) Bins provided by Dharamshala Municipal Corporation or any hired agency should be designed in such a manner so that waste disposed in does not get scattered in open atmosphere and it should be artistic in nature so that it motivates people to dispose their waste in the bins not in open.

(*c*) Bins placed at designated place by Dharamshala Municipal Corporation or any hired agency should motivate people to practice waste segregation and it should be placed as per Solid Waste Management Rule, 2016 having colour coding for different types of waste.

1. Green:—Biodegradable waste (food waste, garden waste)

2. Blue:—Non-Biodegradable waste

3. Red:—Hazardous or toxics waste

(*d*) Well-designed Vehicle like auto Tipper/Compactor should be used for the purpose of transportation of waste and evacuating the bins.

(*e*) All the co-operative society, residential welfare association/society, institutional organisation will be responsible to place suitable quantity of bins approved by the Dharamshala Municipal Corporation on the fixed place in their compound so that waste generated from there can be stored properly and collected from time to time by the municipal vehicle. User charge for these services fixed by the ULBs should be collected by the authorised person of local body.

(*f*) It will be prime responsibility of all the waste generators/citizens to store and sell/handover the recyclable waste to the Rag pickers/Kabadiwala or person/ organisation designated by the Dharamshala Municipal Corporation. They have to ensure that no such waste is being disposed on the road/drain/secondary storage bins/open space.

(*g*) Door-to-door garbage collection, secondary storage bins, collection & transportation, processing of waste and disposal of waste in sanitary land fill site, all these services will be provided by Dharamshala Municipal Corporation or any hired agency. ULBs will charge user fee for all these services and violator will be fined on the spot or punished and can be subjected to court as per rule.

(*h*) Waste from the slaughter house, fish market, fruit & vegetable market is biodegradable in nature, so proper storage facility should be designed so that no health hazard spreads from this & facility for composting should be developed to make use of such waste in generating organic manure from it. For ensuring proper disposal of such waste every generator have to ensure best storage facility and segregation of such waste at source and door-to-door collection should be practiced by ULBs to collect 100% of such waste and take to processing plant. On violation, waste generator should be fined on the spot or punished and can be subjected to court as per rule.

(*i*) Dharamshala Municipal Corporation have to establish waste deposition centres for domestic hazardous waste and give direction for waste generators to deposit domestic hazardous wastes at this centre for its safe disposal. Such facility shall be established in a city or town in a manner that one centre is set up for the area of twenty square kilometres or part thereof and notify the timings of receiving domestic hazardous waste at such centres.

(*j*) Bio medical & industrial waste should not be mixed with municipal waste and such waste should be stored and disposed separately as per the rules applicable. For the disposal of bio-medical waste common Biomedical Waste Treatment Facility (CBMWTF) should be developed in each ULB either separately or on the cluster basis. By paying the fixed user fee such waste can be easily disposed off.

(*k*) Construction and demolition waste should be store separately as and when generated, in his/her own premises and shall be disposed off as per the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016. ULBs should fix user charge for transportation and disposal of C&D waste and generator should dispose this waste by

paying the charge as per the rules and at the designated place. Disposing of such waste in open space, road side, common place will be treated as illegal and fined as per the rules.

(*l*) Gardening/Horticultural waste should also be stored separately at source. ULBs should fix a day or two in week and some place where generator should give their waste and from there it should be transported to disposal site.

(*m*) Dry leaves, plastic and other such waste should not be burnt in open, doing such activity will be treated as illegal and punishable, violator should be fined as per the rules.

(*n*) Stray animal should be restricted from roaming in and around the waste disposal site & secondary storage bins or any public place in the town.

(*o*) Every citizen, institutions, office buildings, commercial complexes has to ensure that there is no open discharge of grey water, black water or any other such polluted water in drain, open space or on road which can spread health issues, doing such activity will be treated as illegal and punishable as per the rules.

(*p*) No person should dispose dead animal or any such material in open space, road side, community park or any other place which can spread pollution and health issues, doing such activity will be treated as illegal and punishable as per the rules.

(*q*) Dharamshala Municipal Corporation have to set up covered secondary storage facility for temporary storage of street sweepings and silt removed from surface drains in cases where direct collection of such waste into transportation vehicle is not convenient. Waste so collected shall be collected and disposed of at regular intervals as decided by the local body.

(*r*) Dharamshala Municipal Corporation can develop bins free solid waste management facility but for this 100% waste collection from the door step of the generator should be ensured.

7. Secondary Collection & Transportation of Municipal Solid Waste.—(*a*) Each storage bins/secondary storage bins should be attended daily by the help of auto tipper, tractor, compactor etc.

(*b*) Closed vehicle should be used for the transportation of waste. To reduce the frequency of loading and unloading of waste compactor should be used.

(*c*) Dharamshala Municipal Corporation will have to ensure safe storage and transportation of the domestic hazardous waste to the hazardous waste disposal facility.

(*d*) Transport segregated bio-degradable waste to the processing facilities like compost plant, bio-methanation plant or any such facility. Preference shall be given for onsite processing of such waste.

(*e*) Transport non-bio-degradable waste to the respective processing facility or material recovery facilities or secondary storage facility. Ensure transportation of construction and demolition waste as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016.

CHAPTER–IV

MUNICIPAL SOLID WASTE PROCESSING & DISPOSAL

8. Waste Processing Plant.—Dharamshala Municipal Corporation with help of State Pollution Control Board approval needs to develop solid waste management/processing plant to make use of daily generated biodegradable waste so that it can reduce the quantity of waste being disposed at the sanitary land fill site.

(*a*) Dharamshala Municipal Corporation have to collect waste from vegetable, fruit, flower, meat, poultry and fish market on day to day basis and promote setting up of decentralised compost plant or bio-methanation plant at suitable locations in the markets or in the vicinity of markets ensuring hygienic conditions.

(*b*) Involve communities in waste management and promotion of home composting, bio-gas generation, decentralised processing of waste at community level subject to control of odour and maintenance of hygienic conditions around the facility.

(*c*) For processing of biodegradable waste Dharamshala Municipal Corporation have to establish waste processing plant such as composting plant–windrow compost plant, vermin composting plant, waste to energy or any other such technology by their own or with help of any other licensed company/firm/organisation on Build-Operate-Transfer (BOT)/Object Oriented (OO) method.

(*d*) For processing of mixed recyclable waste Dharamshala Municipal Corporation have to establish recycling units such as incineration, RDF Plant or other such recycling technology by their own or with help of any other licensed company/firm/organisation on Build—operate—Transfer (BOT)/Object Oriented (OO) method.

(*e*) Municipality may also send the non-biodegradable/dry waste as RDF to nearby cement factories for co-processing.

9. Waste Disposal.—(*a*) Dharamshala Municipal Corporation have to stop land filling or dumping of mixed waste soon after the timeline for setting up and operationalisation of sanitary landfill is over**.**

(*b*) Dharamshala Municipal Corporation have to allow only the non-usable, non-recyclable, non-biodegradable, non-combustible and non-reactive inert waste and pre-processing rejects and residues from waste processing facilities to go to sanitary landfill.

(*c*) Sites shall meet the specifications as given in Schedule-I of Solid Waste Management Rules, 2016, however, every effort shall be made to recycle or reuse the rejects to achieve the desired objective of zero waste going to landfill.

(*d*) Dharamshala Municipal Corporation have to investigate and analyse all old open dumpsites and existing operational dumpsites for their potential of biomining and bio-remediation and where so ever feasible, take necessary actions to bio-mine or bio-remediate the sites.

(*e*) Dharamshala Municipal Corporation have to ensure that in absence of the potential of bio-mining and bio-remediation of dumpsite, it shall be scientifically capped as per landfill capping norms to prevent further damage to the environment.

CHAPTER–V

MONITORING BY WARD COMMITTEE

Constitution of Ward Sanitation Committee.—A Ward Sanitation Committee shall be constituted in each ward of the Dharamshala Municipal Corporation. The Ward Sanitation Committee shall have 11 to 15 members. The members of the WSC would comprise of ward member, sanitary inspector, tax collector or a designated officer by Dharamshala Municipal Corporation for each ward, representatives of Residential Welfare Associations (RWAs) of the ward, representatives from slum sanitation committee, representatives of Community Based Organisations (SHGs, youth club etc.), local leaders, senior citizens etc. The Ward Sanitation Committee shall oversee the sanitation activity in the ward.

CHAPTER–VI

STAKEHOLDER'S RESPONSIBILITIES

10. Responsibilities of various stakeholders:

10.1 Responsibilities of Waste Generators:

(*a*) No waste generator shall throw the waste generated by him on the street, open spaces, drain or water bodies.

(*b*) No person shall let the dirty water, mud, night soil, cow dung, urine, polluted water from their own house, organisation, commercial establishments to accumulate in their own compound nor let it flow on common streets in a way that the environment gets polluted by foul smell or poses a threat to public health.

(*c*) To wrap securely used sanitary waste as and when generated in a newspaper or suitable bio-degradable wrapping material and place the same in the domestic bin meant for non-biodegradable waste.

(*d*) All citizens shall have the responsibility to dispose of the recyclable waste generated in their complexes to the waste pickers authorised by the Dharamshala Municipal Corporation or waste collector or containers of the Dharamshala Municipal Corporation and not put it on the road under any circumstances.

(*e*) All waste generators shall pay user fees as specified in these bye-laws.

(*f*) No waste generator shall throw, burn or burry the solid waste generated by him on streets, open public spaces outside his premises or in the drain or water bodies,

(*g*) No dead animals or their remains to be thrown in any public places or any such place, which create any kind of pollution.

(*h*) If any person is found violating activities prohibited for doing, fine charges shall be collected from the offender by the Dharamshala Municipal Corporation.

10.2 Responsibility of Ward Sanitation Committee:

(*a*) The Ward Sanitation Committee shall oversee the sanitation and cleanliness activities in ward.

(*b*) The Ward Sanitation Committee shall act as a grievances redressal point on sanitation issues at ward level.

(*c*) The Ward Sanitation Committee shall have the power to impose fine on any offender and also have the power to waive of penalties.

(*d*) The Ward Sanitation Committee will promote home composting, bio-gas generation, decentralised processing of waste at community level subject to control of odour and maintenance of hygiene around the facility.

(*e*) The Ward Sanitation Committee will give warning to any offenders of these bye-laws. After two warning by the Ward Sanitation Committee or the Dharamshala Municipal Corporation, penalty shall be collected from the violator as per the provisions of these bye-laws.

10.3 Responsibility of the Dharamshala Municipal Corporation:

(*a*) The Dharamshala Municipal Corporation shall within its territorial area, be responsible for ensuring daily and throughout the year system of cleaning of all common roads, places, temporary settlements, slums, areas, markets, its own parks, gardens, tourist spots, cemeteries and shall be bound to collect the garbage from the nearest declared storage containers, and transport it every day to the final disposal point in closed vehicles for which the municipal authority may engage private parties on contract or Public Private Partnership mode, apart from its own permanent cleaning staff and vehicles.

(*b*) The Dharamshala Municipal Corporation or the authorized agency engaged by the Dharamshala Municipal Corporation shall provide and maintain suitable community bins on public roads or other public spaces.

(*c*) The Municipal Council/Nagar Panchayat for the purpose of managing such sanitation activities in decentralised and regular manner shall designate one ward officer, in every ward to supervise the spots of containers, public toilets, community toilets or urinals in public places, transfer station for public garbage, landfill processing units etc. for final disposal of city's garbage.

(*d*) The designated ward officer by the Dharamshala Municipal Corporation shall also be a member of the concerned Ward Sanitation Committee which shall act as the first point of grievance redressal on sanitation issues of the concerned ward and meet complains of citizens on issues of sanitation.

(*e*) The Dharamshala Municipal Corporation shall facilitate construction, operation and maintenance of solid waste processing facilities and associated infrastructure on their own or through any agency for optimum utilisation of various components of solid waste adopting suitable technology including the technologies and the guidelines

issued by the Ministry of Urban Development from time to time and standards prescribed by the Central Pollution Control Board.

(*f*) The Dharamshala Municipal Corporation shall create awareness through Information, Education and Communication (IEC) campaign and educate the waste generators on minimal generation of waste, not to litter, re-use the waste to the extent possible, practice segregation of wet bio-degradable waste, dry recyclable and combustible waste and domestic hazardous waste at source, wrap securely used sanitary waste as and when generated in a newspaper or suitable bio-degradable wrapping material and place the same in the domestic bin meant for non-biodegradable waste, storage of segregated waste at source and payment of monthly user fee.

(*g*) Chemical fertilizers shall be replaced by use of compost in all parks, gardens maintained by the Dharamshala Municipal Corporation and any other places within two years of notification.

(*h*) Promote recycling initiatives by informal waste recycling sector.

(*i*) The Dharamshala Municipal Corporation shall make efforts to streamline and formalize Solid Waste Management systems and endeavour that the informal sector workers in waste management (rag pickers) are given priority to upgrade their work conditions and are enumerated and integrated into the formal system of Solid Waste Management in cities.

(*j*) Ensure that the operator of a facility provides personal protection equipment including uniform, fluorescent jacket, hand gloves, raincoats, appropriate foot wear and masks to all workers handling solid waste and the same are used by the workforce.

(*k*) Ensure occupational safety of the Dharamshala Municipal Corporation own staffs and staffs of outsource agency involved in collection, transport and handling waste by providing appropriate and adequate personal protective equipments.

(*l*) In case of an accident at any solid waste processing or treatment or disposal facility or landfill site, the officer-in-charge of the facility shall report to the Dharamshala Municipal Corporation immediately which shall review and issue instructions if any, to the in charge of the facility.

CHAPTER–VII

PROSECUTION & PENALTIES

11. Prosecution.—

I. Prosecution can be made on violation of above said rules Under Municipal Solid Waste Management Rules, 2016, Himachal Pradesh Municipal Corporation Act, 1994 and Environmental Protection Act, 1986. Even the prosecution can be made on the official/workers responsible for implementing so called services under the above said Bye-laws if they are not performing their task or delaying their responsibility to implement the services.

II. Whosoever contravenes the provision of above said Bye-laws shall be in addition to the penalties already mentioned under any act/rules/laws/bye–laws for time being in force would be liable for disconnection of water supply, electricity and other civic amenities and the commissioner of the ULB may request the competent authorities to withdraw any other services if granted in favour of Institution/Commercial Establishment/person committing the offence.

12. Penalties.—On the violation of above said municipal Bye-laws fixed penalties which are subject to variation from time to time and details given in Annexure-'B'.

13. Repeal/Contradict.—

- ✓ Once these bye-laws come into force any other rules, bye- laws, policy with regard to this matter adopted by any ULB will be considered as disaffirm.

- ✓ Any work done or scheme implemented under any previous rules/bye-laws will not be impugn unless until it is just opposite or completely contrary to the action to be taken under the above said bye-laws.

Annexure-'A'

Sl. No.	Category of User	User Charge on monthly basis (INR)
1.	Household (area less than 2000 sq. feet)	50 (40%) less to BPL Family
2.	Household (area more than 2000 sq. feet)	50 Per Month
3.	Commercial Complex (dhabba, sweet shop, coffee houses, provisional stores).	150 Per Month
4.	Pan Shop	100 Per Month
5.	Tea Shop	100 Per Month
6.	Shops (daily needs, cloths)	100 Per Month
7.	Vegetables & fruits shops (Wholesale)	800 Per Month
8.	Vegetables & fruits shops (Retails)	150 Per Month
9.	Sweet/snacks shop (Big)	150 Per Month
10.	Sub Division Office & Local Office	400 Per Month
11.	District Level Office	800 Per Month
12.	Divisional Level Office	1000 Per Month
13.	Zonal Level Office	1000 Per Month
14.	Offices (more than 20 rooms)	2000 for 20 rooms + 100 per additional room.
15.	Bank/PSU	750 Per Month
16.	Govt. Schools	100 Per Month
17.	Private Schools upto 100 students on producing student's enrolment certificate.	500 Per Month

18.	Private Schools (more than 100 students)	1000 Per Month
19.	Bakeries (small)	150 Per Month
20.	Bakeries (manufacturing units)	1000 Per Month
21.	PG Hostel / Guest House (upto 10 rooms)	800 Per Month
22.	PG Hostel / Guest House (11 - 20 rooms)	1200 Per Month
23.	PG Hostel / Guest House (21 - 30 rooms)	2000 Per Month
24.	PG Hostel/Guest House (more than 30 rooms)	2500 for 30 rooms + 500 per additional room.
25.	Dharamshala	550 Per Month
26.	Factories (Manufacturing unit) other than notifies in any other category.	1000 Per Month
27.	Workshop (Tyre puncture shop)	100 Per Month
28.	Workshop (repair shop)	150 Per Month
29.	Workshop (repair + spare parts shop)	500 Per Month
30.	Workshop (vehicle showroom, repair + spare parts).	500 Per Month
31.	Workshop (those not touching any NH or SH).	300 Per Month
32.	Restaurants	500 Per Month
33.	Restaurants + Bar	1000 Per Month
34.	Cinema Hall (Theatre, multiplex)	1000 Per Month
35.	Govt. College	1000 Per Month
36.	Private College	1500 Per Month
37.	Training institute/Coaching centre	500 Per Month
38.	Hospital /Nursing Home (upto 50 beds)	1000*(except bio medical waste)
39.	Hospital /Nursing Home (51—100 beds)	1500*(except bio medical waste)
40.	Hospital /Nursing Home (more than 100 beds).	2000* + 250 per additional bed
41.	Clinics	100*(except bio medical waste)
42.	Clinics with medicines shops	100*(except bio medical waste)
43.	Chemist shop	100*(except bio medical waste)
44.	Laboratory	100*(except bio medical waste)
45.	Banquet Hall/ Hotel	1500 per trip on demand
46.	Special Hotels more than 50 rooms	15000 & 2000 per trip on demand
47.	Vehicle on demand for dumper	2000 per trip
48.	Big Malls	2000 per floor
49.	Meat Shops (other than subscribed with chicken waste collection vehicle).	150 Per Month
50.	Confectionary + Veg Shop	150 Per Month
51.	Scrap Dealers	400 Per Month
52.	Street Vendor	100 Per Month
53.	Cow Dung from cattle at households	350 Per Month

54.	Public meeting/religious congregation places/other places where events are organised (any Stadium/Ground/Sports Complex).	Gathering upto 100—300
		100 to 500—700
		500 to 2000—1000
		Above 2000—3000
		Capacity more than 10,000—15,000 for each event per day.

Note:—User charge as prescribed above can be revised by the ULB time to time keeping in view the polluter pay principal to meet the operation and maintenance cost of the services under Solid waste management.

Annexure-'B'

Sl. No	**Offence**	**Dharamshala Municipal Corporation**
1.	Littering by People of residential colony	Rs. 500 per day
2.	Open dumping by shopkeepers	Rs. 1000 per day
3.	Littering/ open dumping by restaurants owners	Rs. 2000 per day
4.	Littering/ open dumping by Hotel Owners	Rs. 2000 per day
5.	Littering/ open dumping by Industries	Rs. 5000 per day
6.	Street Vendor like fast-food, chat, ice-cream, juice corner etc.	Rs. 250 per day
7.	Open defecation/urination in public place	Rs. 500 per offence committed
8.	Disposal of dung in open space/public place	Rs. 2000 per day
9.	Disposal of construction & demolition waste in open space/ road side/public place by resident.	Rs. 2000 per day
10.	Littering of waste like dung, construction & demolition waste on road while transporting through private tractor/ vehicle.	Rs. 2000 per day
11.	Disposal of waste water from house in non-authorised place.	Rs. 2000 per day
12.	Disposal of sewer in non-authorised place	Rs. 5000 per day
13.	Not keeping of closed dust bins in adequate number & quantity by owners mention from Sl. No 2- 6.	Rs. 5000 per day
14.	Spilling of Oil, Dust, Water & other material by road side Motar, Bike, Bicycle repair mechanics.	Rs. 1000 per day
15.	Disposal of skin, feather, blood, flesh or any other material of animal(s) by shopkeeper.	Rs. 2000 per day
16.	Littering by pet animals like dogs, cow, etc. on road side/ open space/ community place.	Rs. 1000 per day
17.	Littering or disposal of waste in front of marriage hall, community place, exhibition hall, mela ground.	Rs. 5000 per day

18.	Encroachment of Road for by Dhabas or any other such shop and disposing of waste on road side, open space.	Rs. 1000 per day
19.	Encroachment of Road for by fruit, vegetable local vendor and disposing of waste on road side, open space	Rs. 250 per day
20.	Encroachment of Road Hair cutting saloon and disposing of waste on road side, open space.	Rs. 250 per day
21.	Encroachment & Disposal of construction & demolition waste in open space/road side/public place by business man, shopkeepers.	Rs. 5000 per day
22.	Disposal of waste by Private Nursing Home/Hospital, Clinics, Dispensaries on road side, open space.	Rs. 5000 per day
23.	Non-Segregation of waste at source :	
	(i) Residents	Rs. 250 for first offence and Rs. 500 for second & subsequent offences in a month.
	(ii) Shopkeepers	Rs. 500 for first offence and Rs. 1000 for second & subsequent offences in a month.
	(iii) Restaurants owners	Rs. 1000 for first offence and Rs. 2000 for second & subsequent offences in a month.
	(iv) Hotel Owners	Rs. 1500 for first offence and Rs. 2500 for second & subsequent offences in a month.
	(v) Industrial Establishment	Rs. 3000 for first offence and Rs. 5000 for second & subsequent offences in a month.
	(vi) Sweets, snacks, fast food, ice-creams, sugarcane & other juice and vegetables vendor carts	Rs. 250 for first offence and Rs. 500 for second & subsequent offences in a month.

By order,

Sd/-
CHAIRMAN-CUM**-MAYOR,**
Dharamshala Municipal Corporation.

सामान्य प्रशासन विभाग

अधिसूचना

शिमला–2, 22 अगस्त, 2019

संख्या जीएडी–बी–(ए) 1–8 / 2018 (सिरमौर).––हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल की राय है कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है कि जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में उप–मण्डल (नागरिक) राजगढ़ से पन्द्रह पटवार वृत्तों वाली सम्पूर्ण तहसील पच्छाद को और उप–तहसील नारग के नौ पटवार वृत्तों को अपवर्जित करके उप–मण्डल (नागरिक), पच्छाद के नाम से ज्ञात एक नए उप–मण्डल (नागरिक) का सृजन किया जाए ताकि नजदीक के गांवों के सम्बद्ध लोगों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें और जिससे उन्हें होने वाली असुविधा से निवारित किया जा सके तथा बेहतर प्रशासनिक नियन्त्रण हो सके;

अतः, हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 7 की उप–धारा (3) के साथ पठित, हिमाचल प्रदेश भू0–राजस्व अधिनियम, 1954 (1954 का अधिनियम संख्यांक 6) की धारा 6 और रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का अधिनियम संख्यांक 16) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के परामर्श से, उप–मण्डल (नागरिक), राजगढ़ से पन्द्रह पटवार वृत्तों वाली तहसील पच्छाद और उप–तहसील नारग के नौ पटवार वृत्तों को अपवर्जित करते हैं और जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में एक नए उप–मण्डल (नागरिक) पच्छाद, जिसका मुख्यालय सराहां में होगा, का तुरन्त प्रभाव से सृजन करते हैं, जिसमें निम्नलिखित पटवार वृत्त समाविष्ट होंगे :––

उप–मण्डल का नाम	जिला	मुख्यालय	उप–तहसील / तहसील का नाम	सम्मिलित पटवार वृत्त	उप–मण्डल का नाम जिससे अपवर्जित किए गए हैं
पच्छाद	सिरमौर	सराहां	पच्छाद	1. खलोग	राजगढ़
			–यथोपरि–	2. कुईना काटली	
			–यथोपरि–	3. ठाकुरदवारा	
			–यथोपरि–	4. जामन की सेर	
			–यथोपरि–	5. गागल शिकोर	
			–यथोपरि–	6. बागथन	
			–यथोपरि–	7. चनालग	
			–यथोपरि–	8. नैना टिक्कर	
			–यथोपरि–	9. मेहन्दो–बाग	
			–यथोपरि–	10. बाग–पशोग	
			–यथोपरि–	11. भैलन	
			–यथोपरि–	12. धार–टिक्करी	
			–यथोपरि–	13. मानगढ़	
			–यथोपरि–	14. सराहां	
			–यथोपरि–	15. जोहना	
			नारग	16. कोटला–पंजोला	
			–यथोपरि–	17. नारग	
			–यथोपरि–	18. दाढ़ो देवरिया	
			–यथोपरि–	19. द्राबिल	
			–यथोपरि–	20. बनौना	
			–यथोपरि–	21. वासनी	
			–यथोपरि–	22. लाना–मच्छेर	
			–यथोपरि–	23. शाडिया	
			–यथोपरि–	24. डिलमन	

उप–मण्डल (नागरिक) पच्छाद के सृजन के पश्चात् उप–मण्डल (नागरिक) राजगढ़ की संरचना निम्न प्रकार से होगी :––

उप–मण्डल का नाम	जिला	तहसील / उप तहसील का नाम	पटवार वृत्तों के नाम
राजगढ़	सिरमौर	राजगढ़	1. राजगढ़
		–यथोपरि–	2. धार पजेरा
		–यथोपरि–	3. डिम्बर
		–यथोपरि–	4. दीदग
		–यथोपरि–	5. नेहर पाब
		–यथोपरि–	6. सेर–जगास
		–यथोपरि–	7. मतियाणा
		–यथोपरि–	8. लहारब
		–यथोपरि–	9. भाणत
		–यथोपरि–	10. शिलांजी
		–यथोपरि–	11. राणाघाट
		पझौता (नौहरी)	12. माटल बखोग
		–यथोपरि–	13. देवठी मझगांव
		–यथोपरि–	14. कोटला बांगी
		–यथोपरि–	15. सनौरा
		–यथोपरि–	16. जदोल टपरोली
		–यथोपरि–	17. सठार
		–यथोपरि–	18. हाब्बन

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित / –
मुख्य सचिव।

––––––––

[*Authoritative English text of this Department Notification No. GAD-B-(A)-1-8/2018 (Sirmaur), Dated 22-08-2019 as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India*].

GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, *the* 22*nd August,* 2019

No. GAD-B-(A)-1-8/2018 (Sirmaur).—WHEREAS, the Governor of Himachal Pradesh, is of the opinion that it is necessary and expedient in public interest to do so that a new Sub-Division (Civil) to be known as Sub-Division (Civil) Pachhad in District Sirmaur, Himachal Pradesh may be created by excluding the entire Tehsil Pachhad, having 15 Patwar Circles and 9 Patwar Circles of Sub-Tehsil Narag of Sub-Division (C) Rajgarh to provide better services to the concerned people of nearby villages and to avoid inconvenience being faced by them and to have the better administrative control;

NOW, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by Section-6 of the Himachal Pradesh Land Revenue Act, 1954 (Act No. 6 of 1954) and Section-5 of the Registration Act, 1908 (Act No. 16 of 1908) read with sub-section (3) of Section-7 of the Code of Criminal Procedure 1973, the Governor of Himachal Pradesh, in consultation with the High Court of Himachal Pradesh, is pleased to exclude the entire area of 15 Patwar Circle of Tehsil Pachhad and 9 Patwar Circle of Sub-Tehsil Narag of Sub-Division (C) Rajgarh and to create a new Sub-Division (Civil) Pachhad with its headquarter at Sarahan in District Sirmaur, Himachal Pradesh, which shall consist of the following Patwar Circles with immediate effect :—

Name of Sub-Division	**District**	**Head-quarter**	**Name of Sub-Tehsil/ Tehsil**	**Patwar Circles Included**	**Name of Sub. Div. from where excluded**
Pachhad	Sirmaur	Sarahan	Pachhad	1. Khalog	Rajgarh
			-do-	2. Kuina Katli	
			-do-	3. Thakur Dawara	
			-do-	4. Jaman Ki Ser	
			-do-	5. Gagal Shikore	
			-do-	6. Bagthan	
			-do-	7. Chanalag	
			-do-	8. Naina Tikkar	
			-do-	9. Mehndo Bag	
			-do-	10. Bag Pashog	
			-do-	11. Bhelan	
			-do-	12. Dhar Tikkari	
			-do-	13. Mangarh	
			-do-	14. Sarahan	
			-do-	15. Johana	
			Narag	16. Kotla Panjola	
			-do-	17. Narag	
			-do-	18. Daro Devria	
			-do-	19. Drabil	
			-do-	20. Banona	
			-do-	21. Wasni	

			-do-	22. Lana Mechher	
			-do-	23. Shariya	
			-do-	24. Dilman	

The composition of Sub-Division (C) Rajgarh after creation of Sub-Division (C) Pachhad will be as under:—

Name of Sub-Division	**District**	**Name of Sub-Tehsil/Tehsil**	**Name of Patwar Circles**
Rajgarh	Sirmaur	Rajgarh	1. Rajgarh
		-do-	2. Dhar Pajhera
		-do-	3. Dimbar
		-do-	4. Deedag
		-do-	5. Nehar Pab
		-do-	6. Ser-Jagas
		-do-	7. Matiyana
		-do-	8. Laharab
		-do-	9. Bhanat
		-do-	10. Shilanji
		-do-	11. Ranaghat
		Pajhota (Nohari)	12. Matal Bakhog
		-do-	13. Deothi Majhgaon
		-do-	14. Kotal Bangi
		-do-	15. Sanaura
		-do-	16. Jadol Taproli
		-do-	17. Sathar
		-do-	18. Habban

By order,

Sd/-
Chief Secretary.

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग, ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 08 / 2019 तारीख मजरूआ : 20–06–2019 अग्रिम तारीख पेशी : 17–09–2019

श्री हंस राज सुपुत्र श्री मुंशी राम, निवासी गांव मनोला, डाकघर होबार, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश .. प्रार्थी।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थीगण।

विषय.––प्रार्थना–पत्र बराये नाम दुरूस्ती बारे।

श्री हंस राज सुपुत्र श्री मुंशी राम, निवासी गांव मनोला, डाकघर होबार, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना–पत्र बमय अन्य कागजात इस आशय से गुजारा है कि उसका नाम हंस राज है, जोकि आधार कार्ड में सही दर्ज है लेकिन राजस्व विभाग के महाल मनोला में गलती से हंसो दर्ज है, जिसकी दुरुस्ती की जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण जनता को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के नाम दुरुस्ती बारे यदि किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत अधोहस्ताक्षरी दिनांक 17–09–2019 को हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा करके नाम दुरुस्ती के आदेश दे दिये जाएंगे।

आज दिनांक 08–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित / –
सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग,
ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

––––––––

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग, ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 13 / 2019 तारीख मजरूआ : 06–07–2019 अग्रिम तारीख पेशी : 17–09–2019

श्रीमती नीलम कुमारी सुपुत्री श्री घुरको, निवासी गांव व डाकघर नैनीखड, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश .. प्रार्थिया।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थीगण।

विषय.––प्रार्थना–पत्र बराये नाम दुरूस्ती बारे।

श्रीमती नीलम कुमारी सुपुत्री श्री घुरको, निवासी गांव व डाकघर नैनीखड, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना–पत्र बमय अन्य कागजात इस आशय से गुजारा है कि उसका नाम नीलम कुमारी है, जोकि उसके स्कूल प्रमाण–पत्र व आधार कार्ड में सही दर्ज है लेकिन राजस्व विभाग के महाल कुंतला व नैनीखड जरेई में गलती से रेनू देवी दर्ज है, जिसकी दुरुस्ती की जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण जनता को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थिया के नाम दुरुस्ती बारे यदि किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत अधोहस्ताक्षरी दिनांक 17–09–2019 को हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा करके नाम दुरुस्ती के आदेश दे दिये जाएंगे।

आज दिनांक 08–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित / –
सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग,
ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

————————

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग, ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 07 / 2019 तारीख मजरूआ : 09–05–2019 अग्रिम तारीख पेशी : 17–09–2019

श्री केवल सुपुत्र श्री काशो, निवासी गांव मोरनाच डाकघर भराडी, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश .. प्रार्थी।

बनाम

आम जनता .. प्रत्यार्थीगण।

विषय.––प्रार्थना–पत्र बराये नाम दुरूस्ती बारे।

श्री केवल सुपुत्र श्री काशो, निवासी गांव मोरनाच डाकघर भराडी, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना–पत्र बमय अन्य कागजात इस आशय से गुजारा है कि उसका नाम केवल है, जोकि ग्राम पंचायत गडाना व आधार कार्ड में सही दर्ज है लेकिन राजस्व विभाग के महाल चलेरा में गलती से केवल कुमार दर्ज है, जिसकी दुरुस्ती की जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण जनता को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के नाम दुरुस्ती बारे यदि किसी को कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत अधोहस्ताक्षरी दिनांक 17–09–2019 को हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा करके नाम दुरुस्ती के आदेश दे दिये जाएंगे।

आज दिनांक 08–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित / –
सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग,
ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

————————

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग, ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 03/IX-A / 2019 तारीख मजरूआ : 18–03–2019 अग्रिम तारीख पेशी : 21–09–2019

श्रीमती सुकन्या देवी पुत्री श्री राम सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश .. प्रार्थिया।

बनाम

1. श्री करनैल सिंह सुपुत्र श्री बसन्तो, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 2. श्री जोगिन्दर सिंह सुपुत्र श्री केहर सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 3. श्री अजय सिंह सुपुत्र श्री केहर सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 4. श्री कर्ण सिंह सुपुत्र श्री केहर सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 5. श्री अमर सिंह सुपुत्र श्री केहर सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 6. श्रीमती सीमा देवी सुपुत्री श्री केहर सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 7. श्रीमती ब्राह्मो पत्नी श्री केहर सिंह, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 8. श्री बलजीत सिंह सुपुत्र स्व0 श्री जोधा, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 9. श्री राज कुमार सुपुत्र स्व0 श्री जोधा, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 10. श्रीमती मधू सुपुत्री श्री जोधा, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 11. श्री गान्धो सुपुत्र श्री घुरको, निवासी देवी गांव, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 12. श्री धर्म सिंह सुपुत्र श्री किरपा राम, निवासी लाहडू, तहसील भटियात, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 13. श्री मदन लाल सुपुत्र श्री वन्तर सिंह, निवासी, कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 14. श्री त्रिलोक सिंह सुपुत्र श्री वन्तर सिंह, निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 15. श्री हरीश सुपुत्र श्री वन्तर सिंह निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 16. श्री सुशील सुपुत्र श्री वन्तर सिंह, निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 17.श्रीमती राधिका देवी सुपुत्री श्री वन्तर सिंह, निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 18. श्रीमती जमना देवी सुपुत्री श्री वन्तर सिंह, निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 19. श्रीमती निर्मला देवी सुपुत्री श्री वन्तर सिंह, निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 20. श्रीमती गोमा देवी पत्नी श्री वन्तर सिंह, निवासी कैहला, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0, 21. श्री विनोद कुमार सुपुत्र श्री सुमन, निवासी कैहला / वधाली, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0 प्रत्यार्थीगण।

दरख्वास्त बगर्ज तकसीम दावा खाता खतौनी नं0 11 / 14 ता 15, खसरा नम्बरान कित्ता–38 रकबा तदादी 07–19–00 बीघा महाल ककीरा जरेई, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0 प्र0।

उपरोक्त प्रार्थिया ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में मौजा ककीरा जरेई के खाता खतौनी नं0 11 / 14 ता 15, खसरा नम्बरान कित्ता–38, रकबा तदादी 07–19–00 बीघा, उप–तहसील ककीरा, जिला चम्बा, हि0प्र0 की तकसीम करवाने हेतु दरख्वास्त गुजारी है लेकिन प्रत्यार्थी नम्बर 12, 17, 19 को बार–बार समन जारी किये गये लेकिन समनों की तामील नहीं हो रही है। अधोहस्ताक्षरी को यकीन हो चुका है कि इन्हें समन की तामील साधारण तरीके से नहीं हो सकती है।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण जनता को बजरिया मुश्त्री मुनादी द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इस तकसीम बारा कोई उजर या एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत अधोहस्ताक्षरी दिनांक 21–09–2019 को हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। अन्यथा गैरहाजिरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जा करके मौका तकसीम करने के आदेश दे दिये जाएंगे।

आज दिनांक 03–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित / –
सहायक समाहर्ता द्वितीय वर्ग,
ककीरा, जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश।

In the Court of Dr. Amit Kumar Sharma, H.A.S., Marriage Officer-cum-**Sub Divisional Officer (c), Bhoranj, Distt. Hamirpur, Himachal Pradesh**

1. Som Prakash s/o Sh. Krishan Chand, r/o Village & P.O. Mehal, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.).

2. Jai Devi d/o Sh. Kurmi, r/o Village Chamundanagar, P.O. Dhalpur, Tehsil & Distt. Kullu (H.P.).

Versus

General Public

Application for the registration of marriage under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001).

Som Prakash s/o Sh. Krishan Chand, r/o Village & P.O. Mehal, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.) & Jai Devi d/o Sh. Kurmi, r/o Village Chamundanagar, P.O. Dhalpur, Tehsil & Distt. Kullu (H.P.) have filed an application alongwith affidavits in this court under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by the Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001) that they have solemnized their marriage ceremony on 22-06-2019 at Nawahi Mata Mandir in Village Nawahi Devi,Tehsil Sarkaghat, Distt. Mandi (H.P.) as per Hindu Rites and Customs and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objections regarding this marriage can file the objections personally or in writing before this court on or before 03-09-2019. After that no objections will be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 03-08-2019 under my hand and seal of the court.

Seal. Sd/-

Marriage Officer-cum-*Sub Divisional Magistrate,*
Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.).

In the Court of Dr. Amit Kumar Sharma, H.A.S., Marriage Officer-cum-**Sub Divisional Officer (c), Bhoranj, Distt. Hamirpur, Himachal Pradesh**

1. Ravinder Kumar s/o Sh. Jagan Nath, r/o Village Manwin, P.O. Lag-Manwin, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.).

2. Sheetla Devi d/o Sh. Kartar Singh, r/o Village Tikari, P.O. Sidhwani, Tehsil Sarkaghat, Distt. Mandi (H.P.).

Versus

General Public

Application for the registration of marriage under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001).

Ravinder Kumar s/o Sh. Jagan Nath, r/o Village Manwin, P.O. Lag-Manwin, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.) & Sheetla Devi d/o Sh. Kartar Singh, r/o Village Tikari, P.O. Sidhwani, Tehsil Sarkaghat, Distt. Mandi (H.P.) have filed an application alongwith affidavits in this court under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by the Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001) that they have solemnized their marriage ceremony on 20-04-2019 at Tauni Devi Temple in Distt. Hamirpur (H.P.) as per Hindu Rites and Customs and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objections regarding this marriage can file the objections personally or in writing before this court on or before 17-09-2019. After that no objections will be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 13-08-2019 under my hand and seal of the court.

Seal. Sd/-

Marriage Officer-cum-*Sub Divisional Magistrate,*
Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.).

In the Court of Dr. Amit Kumar Sharma, H.A.S., Marriage Officer-cum-**Sub Divisional Officer (c), Bhoranj, Distt. Hamirpur, Himachal Pradesh**

1. Sh. Shakti Chand s/o Sh. Rattan Chand, r/o Village Bhiar, P.O. Mehal, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.).

2. Savita Kashyap d/o Sh. Anil Kumar, r/o J-4/43, Khirki Extention, Malviya Nagar, South Delhi-110 017.

Versus

General Public

Application for the registration of marriage under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001).

Sh. Shakti Chand s/o Sh. Rattan Chand, r/o Village Bhiar, P.O. Mehal, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.) & Savita Kashyap d/o Sh. Anil Kumar, r/o J-4/43, Khirki Extention, Malviya Nagar, South Delhi-110017 have filed an application alongwith affidavits in this court under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by the Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001) that they have solemnized their marriage ceremony on 10-12-2018 at Godhria Sidh Baba Temple in Village Bhiar, Tehsil Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.) as per Hindu Rites and Customs and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objections regarding this marriage can file the objections personally or in writing before this court on or before 03-09-2019. After that no objections will be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 03-08-2019 under my hand and seal of the court.

Seal. Sd/-
Marriage Officer-cum-*Sub Divisional Magistrate,*
Bhoranj, Distt. Hamirpur (H.P.).

In the Court of Sh. Shilpi Beakta, H.A.S., Marriage Officer-cum-Sub Divisional Magistrate, Sujanpur, Distt. Hamirpur (H. P.)

1. Gian Chand aged 69 years s/o Shri Charan Chand, r/o Village & P.O. Karot, Tehsil Sujanpur, District Hamirpur (H.P.).

2. Pawana Devi aged 40 years, d/o Prittam Singh, r/o Village Upper Malag, P.O. Malaun Malanu, Tehsil Palampur, District Kangra (H.P.).

Versus

General Public

Application for the registration of marriage under section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001).

Gian Chand aged 69 years s/o Shri Charan Chand, r/o Village & P.O. Karot, Tehsil Sujanpur, District Hamirpur (H.P.) and Pawana Devi aged 40 years, d/o Prittam Singh, r/o Village Upper Malag, P. O. Malaun Malanu, Tehsil Palampur, District Kangra (H.P.) have filed an application alongwith affidavits/declaration in this court under Section 16 of Special Marriage Act, 1954 (Central Act) as amended by the Marriage Laws (Amendment Act 01, 49 of 2001) that they have solemnized their marriage ceremony on 04-08-2019 at Shiv Mandir Anu, Tehsil & District Hamirpur (H.P.) as per Hindu Rites and Customs and they are living together as husband and wife since then. Hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objections regarding this marriage can file the objections personally or in writing before this court on or before 20-09-2019. After that no objections will be entertained and marriage will be registered accordingly.

Issued today on 05-08-2019 under my hand and seal of the court.

Seal. Sd/-
Marriage Officer-cum-*Sub Divisional Magistrate,*
Sujanpur, District Hamirpur (H.P.).

ब अदालत तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता, प्रथम वर्ग ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)

इश्तहार मुश्त्री मुनादी जेर धारा 23 भू–राजस्व अधिनियम, 1954

दरख्वास्त बमुराद दुरुस्ती राजस्व रिकार्ड महाल बदोली, तहसील व जिला ऊना (हि0 प्र0) जमाबन्दी साल 2002–2003 में भगत राम की बजाये गुरवचन सिंह दर्ज करने बारे।

बनाम

आम जनता

बजरिया जमादार तहसील कार्यालय ऊना

उपरोक्त मुकद्दमा उनवान वाला में प्रार्थी सुरजीत सिंह पुत्र श्री गुरवचन सिंह, वासी बदोली, तहसील व जिला ऊना (हि0प्र0) ने प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत करके निवेदन किया है कि उसके पिता का नाम भगत राम, महाल बदोली की खेवट नं0 204, मिन में गलत चला आ रहा है जबकि प्रार्थी के पिता का सही नाम गुरवचन सिंह है। इस बारे राशन कार्ड, आधार कार्ड, स्कूल प्रमाण–पत्र व शपथ–पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त नाम की दुरुस्ती बारे अगर किसी व्यक्ति को कोई उजर हो तो वह मुकद्दमा की पैरवी हेतु असालतन या वकालतन इस न्यायालय में दिनांक 07–09–2019 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर आयें। न आने की सूरत में उनके खिलाफ एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नियमानुसार मुकद्दमा का निपटारा कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 07–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।

मोहर। हस्ताक्षरित / –
तहसीलदार एवं सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,
ऊना, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

————————

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)

श्री तरलोक चन्द पुत्र श्री बली राम, वासी गांव रपोह मुचलियां, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)

बनाम

आम जनता

विषय.––शादी पंजीकरण प्रमाण–पत्र जारी करने बारे।

श्री तरलोक चन्द पुत्र श्री बली राम, वासी गांव रपोह मुचलियां, तहसील अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने एक दरख्वास्त प्रस्तुत की है जिसमें उसने लिखा है कि उसकी शादी श्रीमती चुमकी देवी पुत्री श्री प्रदीप सरकार, वासी गांव चकियास छेरा, डाकघर निशिगंज, जिला कुच बेहार (पश्चिमी बंगाल) में दिनांक 28–09–2011 को हुई है का पंजीकरण किया जाकर उसे शादी प्रमाण–पत्र दिया जावे।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को शादी पंजीकरण बारे कोई एतराज / आपत्ति हो तो वह दिनांक 16–09–2019 को प्रातः 10.00 बजे या उससे पहले असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होकर अपनी स्थिति / एतराज प्रस्तुत कर सकता है। निश्चित तिथि पर कोई एतराज प्राप्त न होने की सूरत में प्रार्थी को शादी पंजीकरण प्रमाण–पत्र जारी कर दिया जायेगा। अतः बाद में कोई उजर काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 08–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ है।

मोहर। हस्ताक्षरित / –
कार्यकारी दण्डाधिकारी,
अम्ब, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री सुरेन्द्र कुमार अत्री, रजिस्ट्रेशन एवं मैरिज अधिकारी, गगरेट स्थित कलोह, जिला ऊना (हि0 प्र0)

लक्की एवं रेनू

बनाम

आम जनता

विषय.––शादी पंजीकरण प्रमाण–पत्र प्रदान करने बारे।

श्री लक्की पुत्र श्री सिद्धु राम, निवासी वडोह, सब–तहसील गगरेट स्थित कलोह, जिला ऊना (हि0 प्र0) ने प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें उसने लिखा है कि उसकी शादी रेनू पुत्री श्री विजय कुमार, निवासी गांव अन्दोरा निचला, सब–तहसील गगरेट स्थित कलोह, जिला ऊना (हि0 प्र0) के साथ दिनांक 19–04–2019 को हुई है का पंजीकरण किया जाकर उसे शादी पंजीकरण प्रमाण–पत्र दिया जाये।

अतः इस नोटिस के माध्यम से समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को शादी पंजीकरण बारे कोई एतराज / आपत्ति हो तो वह दिनांक 09–09–2019 को प्रातः 11.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर अदालत होकर पेश करें अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थी को शादी पंजीकरण प्रमाण–पत्र जारी कर दिया जाएगा तथा बाद में कोई उजर काबिले समायत न होगा।

आज दिनांक 06–08–2019 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सुरेन्द्र कुमार अत्री,
रजिस्ट्रेशन एवं मैरिज अधिकारी,
गगरेट स्थित कलोह, जिला ऊना (हि0 प्र0)।

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला–5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित
इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षरित राजपत्र, वैबसाइट http://rajpatrahimachal.nic.in पर उपलब्ध है एवम् ऑनलाइन सत्यापित किया जा सकता है